हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 351 | सोमवार 14 अप्रैल 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 मूल्य : 2 रुपया

अखिल भारत हिंदू महासभा का 110वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से संपन्न

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अध्यक्ष सनातन सम्राट पूज्य स्वामी चक्रपाणि महाराज ने समस्त कार्यकताओं को दी मंगलकामनाएं। 13 अप्रैल 2025 को अखिल भारत हिंदू महासभा ने अपना 110वाँ स्थापना दिवस अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और गौरव के साथ मनाया। यह गौरवशाली अवसर बैसाखी का भी पावन दिन रहा। उल्लेखनीय है कि अखिल भारत हिंदू महासभा की स्थापना 13 अप्रैल 1915 को बैसाखी के दिन भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी द्वारा की गई थी।

देशभर और विदेशों में महासभा के कार्यकताओं, पदाधिकारियों एवं हिंदू समाज ने भव्य समारोहों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विचार गोष्ठियों का आयोजन कर इस ऐतिहासिक दिवस को स्मरणीय बनाया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सनातन सम्राट पूज्य स्वामी चक्रपाणि जी महाराज को विश्वभर से महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने बधाई दी। सभी ने आपके नेतृत्व और त्यागमयी सेवा के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट किया। स्वामी जी ने सबको मंगलकामनाएं और आशीर्वाद देते हुए संगठन की एकता और वैचारिक प्रतिबद्धता बनाए रखने का आह्वान किया। स्वामी जी ने प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश श्री अनुपम मिश्रा, संगठन मंत्री श्री राजकुमार सिंह, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री विजय कृष्णा

पांडे, महिला अध्यक्ष श्रीमती रेखा पांडे, तमिलनाडु अध्यक्ष टी. बालासुब्रमण्यम, कर्नाटक अध्यक्ष श्री मनोज अलंगल, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेंद्र सैनी, तथा संयोजक वीर जगविजय लोधी सहित सभी निष्ठावान कार्यकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस स्थापना दिवस को गरिमामय रूप से मनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

गौरतलब है कि अखिल भारत हिंदू महासभा का नेतृत्व वीर सावरकर, स्वामी श्रद्धानंद, महंत दिग्विजय नाथ, शंकराचार्य कोटी जी, एन.सी. चटर्जी जैसे राष्ट्रभक्त महापुरुषों ने किया है। वर्ष 2006 से स्वामी चक्रपाणि जी महाराज महासभा की सेवा तीसवे राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निरंतर कर रहे हैं।

आप श्रीराम जन्मभूमि प्रकरण में मुख्य पक्षकार भी रहे हैं! जिनके सतत प्रयासों से सर्वोच्च न्यायालय में श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय आया, जो सम्पूर्ण हिंदू समाज की श्रद्धा का विषय बना। इस पावन अवसर पर देशभर के महासभा कार्यालयों में महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया, और स्वामी चक्रपाणि जी महाराज के नेतृत्व में हिंदू महासभा के सिद्धांतों और सनातन संस्कृति के संरक्षण का संकल्प दोहराया गया। कार्यकताओं ने ह्लजय हिंदू राष्ट्रह्व और ह्लजय श्रीरामह्व के उद्घोष के साथ समारोह को ऊर्जा और उत्साह से परिपूर्ण किया।

यूक्रेन में भारतीय दवा गोदाम पर रूस का मिसाइल अटैक

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन पर शनिवार को रूसी मिसाइल हमले में एक भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनी कुसुम के गोदाम में आग लग गई। भारत में स्थित यूक्रेनी दूतावास ने आरोप लगाया कि रूस ने जानबूझकर राजधानी कीव में भारतीय गोदाम को निशाना

बनाया है। यूक्रेनी दूतावास ने कहा- आज रूस ने यूक्रेन में भारतीय कंपनी कुसुम के गोदाम पर मिसाइल से हमला किया। भारत के साथ खास दोस्ती का दावा करने वाला रूस जानबूझकर भारतीय कंपनियों पर हमला कर रहा है। गोदाम में बुजुर्गों-बच्चों की जरूरी दवाइयां थीं। रूसी हमलों ने एक प्रमुख फार्मा कंपनी के गोदाम को तबाह कर दिया।

जयपुर और बिजनौर में रविवार की काली सुबह

जयपुर (एजेंसी)। रविवार का दिन दो राज्यों के लिए बेहद दुखद रहा। राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में सात लोगों की जान चली गई। मृतकों में एक ही परिवार के पांच सदस्य और दो सगे भाई

शामिल हैं। राजस्थान के जयपुर जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हुआ। रायसर थाना क्षेत्र में मनोहरपुर-दौसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक कार और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा नेकावाला टोल के पास सुबह करीब आठ बजे हुआ।

किश्तवाड़ एनकाउंटर के बाद बरामद सामान पर पाकिस्तान का पता

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में 11 अप्रैल की देर रात को हुए मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया था। जिसके बाद से जारी सर्च ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने शनिवार को 14 राइफल, 2 एके 47 राइफल, 11 मैगजीन, 65 एमएम 4 गोलियां और एके 47 की 56 गोलियां, साथ ही टोपी, दवाइयां, प्राथमिक

उपचार सामग्री और मोजे बरामद किए हैं। दवाओं पर पाकिस्तान और लाहौर का पता लिखा है। अधिकारियों के अनुसार मारे गए तीनों आतंकी जैश-ए-मोहम्मद के थे। इनमें टॉप कमांडर सैफुल्लाह भी शामिल था। वहीं, जम्मू-जिले के अखनूर में शनिवार को एक मुठभेड़ में 9 पंजाब रेजीमेंट के जेसीओ कुलदीप चंद शहीद हो गए थे। यहां शुक्रवार देर रात एनकाउंटर शुरू हुआ था।

सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंप चलाएंगी, गैस भी बांटेंगी

- भोपाल में अमित शाह बोले-एमपी में हैं काफी संभावनाएं
- सांची दुग्ध संघ और एनडीडीबी के बीच हो गया एमओयू

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह भोपाल के रवींद्र भवन में आयोजित राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान मध्यप्रदेश दुग्ध संघ और नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच एमओयू हुआ। इसके साथ ही एमपी के छह दुग्ध संघों और एनडीडीबी के बीच छह अलग-अलग एमओयू भी किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। इस दौरान सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पशुपालन-डेयरी विकास मंत्री लखन पटेल के साथ-साथ नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड और मध्यप्रदेश के सहकारिता, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि देश में सहकारी समितियां अब पेट्रोल पंपों का संचालन करेंगे और रसोई गैस का वितरण भी संभालेंगी। शाह ने कहा कि सहकारिता सेक्टर में मध्य प्रदेश में काफी संभावनाएं हैं, जिस पर काम करने की जरूरत है। इससे पहले स्टेट हैंगर पर शाह का स्वागत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने किया।

इसके बाद शाह का काफिला रवाना होकर सीएम हाउस पहुंचा, जहां शाह ने सीएम मोहन यादव और उनके साथी मंत्रियों के साथ लंच किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा- मध्य प्रदेश के अंदर कृषि, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र में अधिक संभावनाएं हैं। मैं मानता हूं कि हमें हमारी संभावनाओं का शत प्रतिशत दोहन करने के लिए ढेर सारा काम करने की जरूरत है। अमित शाह ने कहा कि ग्रामीण विकास और कृषि विकास के आयाम, पशुपालन के आयाम, इन सबको एक जगह पर रखकर केंद्रीय स्तर पर कोई विचार नहीं किया। विचार होता भी कैसे। कोई सहकारिता मंत्रालय ही नहीं था। आजादी के 75 साल बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सहकारिता मंत्रालय बनाकर मुझे मंत्री बनाया। मोहन जी कह रहे हैं उन्हें आश्चर्य हुआ तो थोड़ा मुझे भी आश्चर्य हुआ। साढ़े तीन साल के समय में मोदी जी ने खुद बहुत बारीकी से देखकर सहकारिता आंदोलन में बड़ा बदलाव लाने का काम किया।

सीएम ने कहा- किसानों की जिंदगी बेहतर बनाएंगे

सीएम ने कहा कि हजारों साल से ऐसा माना जाता था कि हमारे देश में दूध की नदियां बहती थीं। लेकिन गाय माता के दूध के मामले में तो बहुत सावधानी से बोलने की बात थी। मतलब गाय का दूध ही नहीं लेते थे। जब यह बात आ गई कि सिर्फ गाय, भैंस का दूध खरीदेंगे। गाय का दूध खरीदने में हाथ जोड़ते थे। यह बात अलग है की दूध में पानी मिलाकर चला दे, लेकिन कोई दूध उत्पादक घर से गाय का दूध लेने जाए तो गाय का दूध नहीं खरीदते थे। सरकार गौ माता का दूध खरीदेगी और किसानों की जिंदगी बेहतर बनाएगी। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि अंबेडकर जयंती पर हमने कामधेनु गोपालन योजना को शुरू की है। कल सेवा योजना शुरू हो जाएगी। यदि कोई 25 गौ माता पालेगा तो उसे 25 फीसदी अनुदान दिया जाएगा। हमारे कृषि विकास दर में अद्भुत पहचान बनी है, लेकिन दूध उत्पादन 9 फीसदी से बढ़ाकर 24 फीसदी करना है।

राहुल की रणथंभौर यात्रा में छिपा है बड़ा राजनीतिक बदलाव

- सचिव पायलट को कमान सौंपने की तैयारी! संगठन मजबूत करने पर जोर

दौसा (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इन दिनों से सवाई माधोपुर स्थित रणथंभौर में है। वो रणथम्भौर में टाइगर सफारी का लुत्फ उठा रहे हैं। रविवार सुबह एक बार फिर राहुल गांधी टाइगर सफारी पर जाते समय गणेश धाम स्थित रणथंभौर के मुख्य प्रवेश द्वार पर कांग्रेस कार्यकर्ता छुट्टन लाल मीणा से रूबरू हुए। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता से राहुल गांधी की संगठन और विभिन्न मुद्दों को लेकर बातचीत हुई। कांग्रेस कार्यकर्ता छुट्टन लाल मीणा ने बताया कि राहुल गांधी से मुलाकात के दौरान उन्होंने समरावता कांड और नरेश मीणा के बारे में चर्चा की। जिस पर राहुल गांधी ने उन्हें नरेश मीणा को कांग्रेस की ओर से समर्थन देने की बात कही। इसी के साथ ही राहुल गांधी ने संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका में लाने की बात कही। छुट्टन ने बताया कि राहुल गांधी ने कहा कि वो प्रखंड और जिलाध्यक्षों को आने वाले समय में बड़ी जिम्मेदारी सौपेंगे और संगठन को मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाएंगे। इसी के साथ ही उन्होंने राजस्थान में नेतृत्व को लेकर छुट्टन से चर्चा की। राहुल ने पूछा कि आपको राजस्थान में गहलोत या पायलट दोनों में से कौन पसंद है।

वक्फ बिल पर बवाल, उबल पड़ा बंगाल

- टीएमसी सांसद यूसुफ पठान ने चाय पीते फोटो पोस्ट की
- भाजपा का आरोप- हिंदुओं के कत्लेआम का मजा ले रहे

मुर्शिदाबाद (एजेंसी)। वक्फ कानून के विरोध में शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद, नॉर्थ 24 परगना, हुगली और मालदा जिलों में हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। वाहनों को आग लगाई और दुकानों-घरों में तोड़फोड़ कर लूट भी की गई। अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। 15 पुलिसकर्मी घायल हैं। 150 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त इलाकों में 1600 जवान तैनात किए हैं। 300 के करीब सीआरपीएफ जवान हैं। कुल 21 कंपनियां की तैनात की गई हैं। हिंसाग्रस्त वाले इलाकों में इंटरनेट

बैन है। धारा 144 भी लागू है। राज्य में वक्फ कानून के विरोध में 10 अप्रैल से हिंसा जारी है। इस बीच टीएमसी सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान ने चाय पीते हुए पोस्ट शेयर की, जिस पर विवाद हो रहा है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा- बंगाल जल रहा है। पुलिस चुप है। इन सबके बीच सांसद यूसुफ पठान चाय की चुस्की लेते हुए हिंदुओं के कत्लेआम के पल का आनंद ले रहे हैं। इधर, नए वक्फ कानून को लेकर दिल्ली में जमीयत उलेमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की बैठक शुरू हो गई है। वहीं असदुद्दीन ओवैसी ने आज कहा- वक्फ कानून असंवैधानिक है। बीजेपी वक्फ बोर्ड पर कब्जा करना चाहती है। वक्फ कानून से किसी की भलाई नहीं होगी।

केंद्रीय गृह सचिव ने मुख्य सचिव-डीजीपी से की बात

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की। उन्होंने जल्द से जल्द सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने को कहा। एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) जावेद शमीम ने कोलकाता में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया- आज (शनिवार) की घटना का ब्योरा अभी उपलब्ध नहीं है। पुलिस की ओर से गोली नहीं चली है, केन्द्रीय बल की ओर से हो सकता है। ये शुरुआती जानकारी है। घायल खतरे से बाहर है। ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा- वक्फ कानून राज्य में लागू नहीं किया जाएगा।

मानसा में खालिस्तानी झंडे वाली रैली रोकी

- सिमरनजीत मान बोले-शांतिपूर्ण रैली की अनुमति मिले
- मान बोले-बंटवारे के समय सिखों की राय नहीं ली गई

मानसा (एजेंसी)। पंजाब के मानसा जिले में पुलिस ने खालिस्तानी झंडे के साथ निकलने वाली रैली को रोक दिया। गांव रड़ से शुरू होने वाली इस रैली में कहीं भी खालिस्तानी झंडा नहीं लहराने दिया गया। इस बीच, शिरोमणि अकाली दल अमृतसर के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान ने गांव रल्ला में अहम बयान दिया। उन्होंने कहा कि गुरपतवंत पन्नू को बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफ बयान नहीं देना चाहिए। मान ने बैसाखी के मौके पर कहा कि यह सिखों के लिए महत्वपूर्ण दिन है। पहले बैसाखी पाकिस्तान में मनाई जाती थी। अब तख्त श्री दमदमा साहिब में मनाई जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान को अलग करते समय सिखों की राय नहीं ली गई। उन्होंने केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। कहा कि सरकार कभी भी सिखों के हितों की बात नहीं करती।

आईएनएस विक्रांत+राफेल मरीन

- हिंद महासागर में बन गया 'अजेय' कॉम्बिनेशन
- मलक्का स्ट्रेट से कराची तक अब होगा भारतीय नौसेना का वर्चस्व
- 26 राफेल के लिए भारत और फ्रांस में 63 हजार करोड़ का सौदा

पेरिस (एजेंसी)। हिंद महासार में भारत एक अजेय शक्ति बनने जा रहा है। जब बात समुद्री शक्ति की आती है, तो अब भारत का नाम दुनिया की शीर्ष नौसेनाओं में आता है। और इस बार भारतीय नौसेना के लिए एक ऐसा सौदा किया गया है, जिसे हिंद महासागर का पूरा गेम बदल जाएगा। वो है राफेल मरीन फाइटर जेट्स की खरीद। भारत ने फ्रांस से 26 राफेल फाइटर जेट्स खरीदने का फैसला किया है और ये सिर्फ एक डिफेंस अपग्रेडेशन नहीं है, बल्कि रणनीतिक प्रभुत्व का ऐलान है। खासकर ऐसे वक्त में, जब भारत को एक साथ पश्चिम में पाकिस्तान और पूर्व में चीन से समुद्री चुनौती मिल रही हो। भारत के नौसेना इतिहास में इस सबसे महत्वपूर्ण समझौतों में से एक बन गया है। नई दिल्ली ने फ्रांस से 26 राफेल फाइटर जेट खरीदने के लिए 63 हजार करोड़ रुपये, यानि करीब 7.5 अरब डॉलर से ज्यादा के सरकारी सौदे को मंजूरी दी है। 26 राफेल फाइटर जेट खरीदने के बाद भारत उन दुर्लभ देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा,

जिसका विशाल समुद्री विस्तार में दुर्जेय कैरियर बैटल ग्रुप क्षमताओं को प्रदर्शित कर सकते हैं। इस सौदे में 22 सिंगल-सीटर राफेल मरीन फाइटर और चार ट्विन-सीटर वैरिएंट शामिल हैं। भारतीय नौसेना राफेल मरीन फाइटर जेट्स को एयरक्राफ्ट कैरियर्स से ऑपरेट करने वाली है। इन लड़ाकू विमानों को भारत के दो एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। जाहिर तौर पर इसका मतलब जियो-पॉलिटिकल शक्ति हासिल करना है। फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन राफेल मरीन फाइटर जेट का निर्माण करती है और इसे खास कर एयरक्राफ्ट कैरियर के जरिए समुद्री मिशनों को अंजाम देने के लिए डिजाइन किया गया है। ये एक मल्टी-रोल लड़ाकू विमान है। यह 4.5 जनरेशन का जेट 5वीं जनरेशन की क्षमताओं के बेहद करीब माना जाता है। ये कई लड़ाकू मिशनों में अपनी क्षमता साबित कर चुका है। चार्ल्स डी गॉल एयरक्राफ्ट कैरियर से ऑपरेटर होकर राफेल मरीन फाइटर जेट अफगानिस्तान, लीबिया, इराक और सीरिया में स्ट्राइक मिशनों को अंजाम दे चुका है। इसमें एक ऐसा हथियार पैकेज है, जो इसे यकीनन दुनिया के सबसे शक्तिशाली वाहक-आधारित विमानों में से एक बनाता है। राफेल मरीन के शस्त्रागार में बेजोड़ बियॉन्ड-विजुअल-रेंज मेटियोर मिसाइल शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

10 महीने पहले शादी, एक लालच और लुट गई खुशियां...

विवाहिता की लाश देख कांप गए घरवाले

आगरा , एजेंसी। आगरा के थाना खंदौली क्षेत्र की अंजलि विहार कॉलोनी में बृहस्पतिवार शाम को नवविवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। ससुरालीजन भाग गए। पोस्टमार्टम के बाद भी केस दर्ज नहीं होने पर परिजन ने थाने में शव रखकर हंगामा किया। इसके बाद पुलिस ने दहेज हत्या का केस दर्ज कर लिया।

जारऊ, सादाबाद निवासी दिनेश कुमार ने बेटी रितु (24) की शादी 10 माह पहले अंजलि विहार, खंदौली निवासी अशोक के साथ की थी। परिजन ने बताया कि ससुराल में दो लाख रुपये की मांग करते हुए रितु से मारपीट की जा रही थी। बृहस्पतिवार की शाम को रितु का शव फंदे पर लटका मिला।

इसकी जानकारी होने पर परिजन पहुंचे तो ससुरालीजन भाग गए। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया मगर केस दर्ज नहीं किया। शुक्रवार को परिजन मृतका के शव को लेकर थाना खंदौली पहुंच गए। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि मृतका के पति को हिरासत में लेने के बाद भी छोड़ दिया गया। पुलिस ने 24 घंटे तक केस नहीं लिखा। हंगामा बढ़ने पर पुलिस ने पति सहित अन्य ससुरालीजन पर दहेज हत्या का केस दर्ज किया है।

दामाद ने कहा था, अब नहीं लौटेगी रितु- रितु को दो दिन पहले अशोक मायके से लेकर आया था। कहा था कि अब परेशान नहीं होने दूंगा। वह अब कभी लौटकर मायके नहीं जाएगी। उन्होंने समझा कि पति सुधर जाएगा मगर उन्हें क्या पता था कि वह धमकी देकर गया है कि लौटकर नहीं आएगी।

ये हैं गोस्वामी तुलसीदास के हाथों स्थापित हनुमान मंदिर, इनमें बाल हनुमान लला भी

वाराणसी, एजेंसी। संकटमोचन मंदिर शहर के दक्षिणी काशी लंका क्षेत्र में है। हनुमान जी का दिव्य विग्रह है। यह मूर्ति तुलसीदास के तप और पुण्य से प्रकट हुई स्वयंभू मूर्ति है। इसमें हनुमान जी दक्षिण भुजा से भक्तों को अभयदान कर रहे हैं। वाम भुजा उनके हृदय पर स्थित है। हनुमान जी के नेत्रों से भक्तों पर अनवरत कृपा बरसती है। शुरू में यह स्थान मढ़ी के रूप में था।

बाल हनुमान- शहर के उत्तर में हनुमान जी का बाल विग्रह हनुमान फाटक पर स्थित है। तुलसीदास ने इसकी स्थापना की थी। उन्होंने कुछ वर्षों तक यहां रहकर श्रीरामचरित मानस के कुछ कांडों की रचना भी की थी।

बालरूप हनुमान - तुलसीघाट पर ही बालरूप में हनुमान जी हैं, जो गुफा वाले हनुमान जी के नाम से प्रसिद्ध हैं। दक्षिणामुखी होने से यह अधिक प्रतापी माने गए हैं। मंदिर क्षेत्र में हनुमान जी के और भी विग्रह हैं।

गुफा वाले हनुमानजी - गंगा किनार तुलसीघाट पर तुलसी मंदिर स्थित है। यह गोस्वामी तुलसीदास की साधना स्थली है। गोस्वामी जी की चरण पादुका, नाव और मानस की पांडुलिपियां आदि मौजूद हैं। यह तपोभवन चार सौ साल से अधिक प्राचीन है।

कोढ़िया हनुमान- कर्णघंटा क्षेत्र में चार सौ साल पूर्व वेदव्यास मठ था। इसी मठ में कुष्ट व्यास या कोढ़िया हनुमान जी की मूर्ति है। माना जाता है कि यहीं पर हनुमान जी कुष्ट रोगी के भेष में कथा श्रवण करने आए थे।

मनसपूरन व महामृत्युंजय हनुमान-

तीन घंटे अलीगढ़ रहे सपा के हाईकमान, भाजपा सरकार पर जमकर कसे तंज

अलीगढ़ , एजेंसी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित पूरा हाईकमान 11 अप्रैल को शहर में तीन घंटे तक रहा। हालांकि वे शादी समारोह में शामिल होने आए थे, मगर अपने अध्यक्ष से मिलने के लिए कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह दिखा। हर किसी को जब हवाईअड्डे पर जाने की अनुमति नहीं मिली तो बाहर हुज्जत भी हुई। बाद में शहर के रास्तों में जगह-जगह स्वागत हुआ। सपा अध्यक्ष ने भी हर जगह अपनी गाड़ी रुकवाकर स्वागत स्वीकारा व कार्यकर्ताओं से हाल-चाल जाना।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, उनके चाचा वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, वरिष्ठ नेता आशू मलिक, पूर्व मंत्री कमाल अख्तर आदि वरिष्ठ नेता शुक्रवार को शहर में आए। ये सभी लोग कासगंज के पटियाली से पूर्व विधायक नजीबा खान जीनत की बेटी सहावर नगर पंचायत अध्यक्ष नाशी खान की हरदुआगंज के गेस्ट हाउस में आयोजित शादी में शामिल होने आए थे। सुबह से धनीपुर हवाई अड्डे पर नेताओं व कार्यकर्ताओं का जमावड़ा शुरू हो गया। मगर सुरक्षा कारणों से पूर्व महानगर अध्यक्ष अज्जू इशहाक सहित चंद वरिष्ठ नेता ही अगवानी को अंदर जा सके।

हवाई अड्डे से वे सीधे पार्टी जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर के धनीपुर आवास पहुंचे। जहां उनके परिवार में पिछले दिनों गमी के चलते संवेदना व्यक्त की। यहां जिलाध्यक्ष ने परिवार सहित स्वागत किया। इसके बाद वे शादी समारोह में शामिल हुए। वहां कुछ देर रुकने के बाद एटा के सपा नेता परवेज की बेटी की शादी होने पर उसकी ससुराल इकरा कॉलोनी में आशीर्वाद देने पहुंचे। यहां से वापस हवाईअड्डे से रवाना हो गए। इस बीच धनीपुर हवाई अड्डे से निकले सपा अध्यक्ष का असदपुर कयाम, जीवीएम मॉल, पीएसी पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

शादी समारोह में अखिलेश यादव- स्वागत-अगवानी में ये रहे मौजूद सपा अध्यक्ष के स्वागत व अगवानी में जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर, पूर्व महानगर अध्यक्ष अज्जू इशहाक, पूर्व विधायक वीरेश यादव, ठा.राकेश सिंह, पूर्व सांसद बिजेंद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष अब्दुल हमीद घोषी, पूर्व जिलाध्यक्ष गिरीश यादव, रक्षपाल सिंह, डीआर यादव, सपा युवजन सभा के जिलाध्यक्ष रंजीत चौधरी, आमिर आबिद, राजेश सेनी, हसन जिबरान, बाबा फरीद आजाद, तरुण, इरफान खान, संजय शर्मा, दिनेश, अमित आदि तमाम लोग हवाई अड्डे से लेकर अन्य जगहों पर रहे। इस दौरान अज्जू इशहाक से हवाई अड्डे पर बातचीत कर पार्टी के विषय में जाना, जबकि जीवीएम मॉल पर स्वागत की अगुवाई कर रहे रंजीत चौधरी से बुके लेकर हालचाल पूछा।

क्षत्रिय नेताओं के प्रति दिखी नाराजगी- जिले में क्षत्रिय नेताओं द्वारा सपा अध्यक्ष के विरोध की घोषणा की खबर उन तक पहुंच गई। इसे लेकर जिले के दिग्गज क्षत्रिय नेताओं के प्रति नाराजगी दिखी। हालांकि खुलकर कोई बात नहीं हुई। मगर इसकी चर्चा खासी रही

हवाईअड्डे पर जमकर हुज्जत

हवाई अड्डे पर सुबह कार्यकर्ताओं को अंदर जाने से जब रोका गया तो पहले तो वे शांत रहे। बाद में कुछ नेता अपने परिचितों को अंदर लेकर गए तो उनका गुस्सा भड़क गया। इस पर कुछ कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर दी। इस बीच पूर्व मंत्री मानपाल सिंह को भी पुलिस ने रोक लिया तो कार्यकर्ता और भड़क गए। बाद में किसी तरह पूर्व मंत्री को अंदर भेजा गया। इसके बाद वापसी में कुछ किसान नेता अखिलेश यादव से मिलना चाहते थे, मगर उन्हें रोक लिया गया तो उन्होंने सपा अध्यक्ष के खिलाफ नारेबाजी कर दी।

जब घोषी से पूछा कहां हैं मनोज

हवाईअड्डे पर स्वागत के समय सपा अध्यक्ष को सभी वरिष्ठ नेता दिखाई दिए। मगर जिला महासचिव मनोज यादव नहीं थे। इस पर उन्होंने हमेशा साये की तरह साथ रहने वाले महानगर अध्यक्ष अब्दुल हमीद घोषी से पूछा कि कहां हैं मनोज। तब उन्होंने बताया कि वे रिश्तेदारी में गुरुग्राम में आयोजित त्रयोदशी संस्कार में शामिल होने गए हैं। इस पर कहा, चलो फिर बात की जाएगी।

भाजपा का रास्ता सिर्फ नफरत भरा, वक्फ कानून नहीं स्वीकार-अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा द्वारा लाए गए वक्फ कानून को हम स्वीकार नहीं करते। इसकी वजह ये है कि भाजपा सिर्फ नफरत की व मुद्दों से ध्यान बांटने की राजनीति करती है। उन्होंने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि भाजपा का रास्ता नफरत भरा नकारात्मक है। अपनी नाकामी छिपाने के लिए वे ऐसा निर्णय लेते हैं, जिससे लोगों का ध्यान बंट जाए। समाज में खाई खोदने की दिशा में काम करते हैं। ये लोकतंत्र, डा.आंबेडकर के दिए संविधान को नहीं मानते। न उसकी परवाह करते, जबकि संविधान हमारी ढाल है, हमें पहचान देता है, हमें हक अधिकार दिलाता हैं। उस पर समय-समय पर भाजपा चोट पहुंचाती है। उन्होंने अर्थव्यवस्था के खेल व विश्व गुरु बनने के मुद्दे पर कहा कि वो बीजेपी के जुमले थे। आज महंगाई कहां पहुंच गई। बढ़ती ही जा रही है। बेरोजगारी बढ़ रही है।

किसानों की आय दोगुना, फसल खरीद की कीमत, गेहूं कीमत पर कहा कि उद्यमियों से सांठगांठ कर आलू-गेहूं की सही कीमत नहीं दी जा रही। जो प्राइवेट लोग खरीदना चाहें, उन्हें सीमा में बांधा जा रहा है। बाजार में कंपीटीशन रोका जा रहा है। बारिश में नुकसान की भरपाई नहीं दी जा रही। हरदुआगंज में हमने बिजली प्लांट लगाया। जिसमें उत्पादन शुरू हो गया। मगर बिजली की कीमतें आसमान छू रही हैं। जीएसटी प्रावधानों से व्यापारी बर्बाद हो गया है। आउटसोर्स बोर्ड सिर्फ आरक्षण का हक न देने, रोजगार में मनमानी के लिए किया जा रहा है। अंत में उन्होंने यही कहा कि हम वक्फ कानून के खिलाफ हैं, वह हमें स्वीकार नहीं। न हम भाजपा के किसी बिल को स्वीकार करेंगे।

गोरा होने की क्रीम लगाने की आदत से गुर्दों की शामत, त्वचा सोखती है मरकरी

कानपुर , एजेंसी। गोरा दिखने के चक्कर में क्रीम थोपे रहने की आदत से गुर्दों की शामत आ रही है। त्वचा को गोरा दिखाने के लिए क्रीम में मरकरी रसायन मिलाया जाता है। त्वचा इसे सोखती है। इसके दुष्प्रभाव से गुर्दों में मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी हो जाती है। गुर्दे की छन्नियों को नुकसान होता है और पेशाब से प्रोटीन आने लगता है। डॉक्टर भी गुर्दे खराब होने का कारण जल्दी नहीं समझते और खराबी बढ़ती रहती है।

यह बातें एसजीपीजीआई के गुर्दा रोग विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ. नारायण प्रसाद ने आईएमए रिफ्रेशर कोर्स के पहले दिन बताई। गुर्दा रोग विभागाध्यक्ष डॉ. प्रसाद ने आईएमए सभागार में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में डायबिटीज के रोगियों के गुर्दे खराब होने के गैर डायबिटीज वाले कारणों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि गोरा होने वाली क्रीम बहुत अधिक लगाने वाले गुर्दा रोगी विभाग में आ रहे हैं।

कारण पता करने में करनी पड़ती है मशक्कत- इनकी संख्या बढ़ रही है। गुर्दा रोगियों से अब यह भी पूछना पड़ता है कि वे कौन सी क्रीम लगाते हैं। इस तरह के रोगियों में पुरुष और महिलाएं दोनों होती हैं। बहुत से रोगियों की डायग्नोसिस से पता चला कि ज्यादातर क्रीम खुद सोशल मीडिया पर देखकर मंगा लेते हैं और इसका इस्तेमाल करते हैं। आम डॉक्टर को गुर्दे खराब होने के कारण पता करने में मशक्कत करनी पड़ती है।

बायोप्सी कराने पर पता चलती है समस्या- त्वचा सफेद करने वाली क्रीम में मरकरी मुख्य अवयव होता है। 20-25 दिन तक क्रीम लगाने पर इसका असर गुर्दों पर आने लगता है। मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी का क्रीम बड़ा कारण बन रही है। व्यक्ति जितनी अधिक क्रीम थोपेगा, दिक्कत उतनी जल्दी होने लगता है।

एक रात पहले बांटे पर्चे, साजिश में दो गिरफ्तार

सैफ ने बनाया था व्हाट्स ग्रुप इंसानियत

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में नौबस्ता के मछरिया में स्थित जामा मस्जिद में नमाज के बाद कुछ युवकों ने वक्फ संशोधन कानून के विरोध में बैनर लहराए और नारेबाजी की। इस बीच एक युवक ने अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ छिड़क कर आत्मदाह करने की कोशिश भी की। लेकिन मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों उसे तुरंत दबोच लिया। इस बीच एक दिन पहले वक्फ कानून पारित होने के विरोध में क्षेत्र में पर्चे भी बांट गए, जिसकी भनक पुलिस को नहीं हो सकी।

इस पूरे मामले में शुक्रवार को पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है जबकि कुल 23 लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। इसमें आठ नामजद हैं। जानकारी के अनुसार जुमे की नमाज के चलते मछरिया स्थित जामा मस्जिद के बाहर काफी भीड़-भाड़ थी। एहतियात के तौर पर बड़ी संख्या पुलिस कर्मी भी तैनात थे। नमाज खत्म होने के बाद लोग घरों को लौटने की तैयारी कर ही रहे थे, तभी आठ-दस युवाओं की टोली ने वक्फ संशोधन कानून विरोधी नारेबाजी करते हुए बैनर लहराना शुरू कर दिया।

सैफ ने बनाया था 30 से ज्यादा युवकों का व्हाटस ग्रुप इंसानियत

नौबस्ता मछरिया की जामा मस्जिद के बाहर प्रदर्शन में पकड़े गए युवकों की अगुवाई मोहम्द सैफ कर रहा है। उसने इंसानियत नाम से एक व्हाट्सअप ग्रुप भी बना रखा है। वहीं इसका एडमिन है। इसमें 30 से ज्यादा युवक जुड़े हैं। ये खुलासा आरोपी युवकों के मोबाइल की जांच में सामने आया है। उसने ही ग्रुप चैट के माध्यम से सभी से अपील की थी कि वे प्रदर्शन में शामिल होकर वक्फ संसोधन कानून का विरोध करें। पुलिस इसी ग्रुप के जरिए प्रदर्शन में शामिल हुए युवकों और किशोरों की तलाश कर रही है।

फ्लैग मार्च कर लोगों को चेताया

इस बीच मछरिया निवासी मोहम्मद सैफ नाम के युवक ने पायजामे की जेब से एक बोतल निकाली और उसमें से ज्वलनशील पदार्थ अपने ऊपर छिड़ककर आत्मदाह की कोशिश की। शोर सुनकर उनकी ओर बढ़े पुलिस कर्मियों ने उसे दबोच लिया। उसके साथियों रेहान, शेख अख्तर जिलानी को भी हिरासत में ले लिया।

मछरिया की प्रिंटिंग प्रेस में छापे गए हैं बैनर

एडीसीपी महेश कुमार ने बताया कि मुख्य आरोपी मोहम्मद सैफ वाट्सएप ग्रुप का एडमिन है। उसने ग्रुप चैट पर सभी को जामा मस्जिद पहुंचने के लिए कहा था। आशंका है कि इन सबके पीछे कोई और हो सकता है। इसकी जांच पड़ताल की जा रही है। पूछताछ में जो बातें सामने आयीं है। उनसे साफ कि किसी के इशारे पर ही युवकों और किशोरों को जोड़कर वह उन्हें इसके लिए तैयार कर रहा था। जिन बैनर और पंपलेट का प्रदर्शनकारियों ने इस्तेमाल किया है। वे मछरिया की प्रिंटिंग प्रेस में छापे गए हैं। पुलिस ने प्रिंटिंग प्रेस संचालक सारिक को भी हिरासत में लिया है। उससे भी पूछताछ की जा रही है।

कमेटी के बारे में जानकारी जुटा रही पुलिस

प्रदर्शनकारियों ने जो बैनर लहराए उनमें मुजाहिद्दीन अंजुमन कमेटी लिखा था। इलाके के लोगों की माने तो इस नाम की कोई भी कमेटी क्षेत्र में सक्रिय नहीं है। हालांकि पुलिस इन युवकों से कमेटी और उसके संरक्षकों के बारे में पूछताछ करने की कोशिश कर रही है।

खुफिया तंत्र रहा फेल

युवाओं ने गुरुवार शाम से रात तक इलाके में घूम-घूमकर वक्फ कानून के विरोध में पर्चे बांटे। साथ ही जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शनकर उसमें शामिल होने की अपील की। युवक रणनीति बनाते रहे लेकिन एलआईयू को भनक तक न लगी। गनीमत रही कि नमाज के दौरान सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात थी और उसने प्रदर्शनकारी को रोक लिया।

दर्द दे रहा जिला अस्पताल: बेबस मरीज, घर वाले लाचार..

पेड़ के नीचे पड़े कराह रहे बीमारों को नहीं मिला इलाज

अलीगढ़, एजेंसी। अलीगढ़ में पारा 40 के पार था। दोपहर में झुलसा देने वाली गर्मी थी। एसी भी फेल हो रहे थे। लेकिन जरा इनकी सोचिए जो इलाज कराने के लिए आए थे मगर जिला अस्पताल में भर्ती नहीं किए गए और बाहर पेड़ के नीचे पड़े कराहते रहे। किसी को उसके घर वाले चार दिन से भर्ती कराने के लिए जद्दोजहद कर रहे थे तो किसी के तीन दिन से। इनकी कराह वहां से गुजरने वाले लोगों को तो सुनाई दे रही थी मगर अस्पताल के डाक्टरों को नहीं।

सीने में दर्द से कराह रहीं थीं अमीना- सिकंदराराऊ से आईं अमीना बेगम के सीने में दर्द था। शुक्रवार की सुबह 8 बजे उनके पति शौकत अली उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे थे। दोपहर तक वह इमरजेंसी के पास पेड़ के नीचे पड़ी रहीं। शौकत ने बताया कि खून की जांच करवाई। एक्सरे करवाया, दिल की जांच करवाई। लेकिन अभी रिपोर्ट नहीं आई। अस्पताल वालों ने शौकत से कहा कि पहले सभी जांच की रिपोर्ट लेकर आओ तब भर्ती करेंगे। दो गोलियों के पत्ते और एक सीरप दे दिया है। यहां भटकते हुए उनके 3500 रुपये भी कहीं गिर गए। बिहारी नगर से आईं देवकी अपनी बेटी के साथ ब्लड बैंक के पास ही पेड़ के नीचे बैठी थीं। तकलीफ पूछने पर देवकी का दर्द छलक गया- बोलीं चार दिन से पथरी का बहुत दर्द हो रहा है। कह देते हैं पहले खून की जांच करवाओ। एक्सरे करवाओ और भी जांच करवाओ, इसके बाद भर्ती करेंगे। पास में बैठी बेटी सरिता अपनी मां को दर्द से परेशान होते हुए देखते रहने को मजबूर है। बोली, अगर पैसा होता तो प्राइवेट में इलाज करा लेते।

सही से चल भी नहीं पा रही थी रानी..व्हीलचेयर तक नहीं मिली- अलीगढ़ के सासनी गेट से आईं वृद्ध महिला रानी घुटने के दर्द से परेशान हैं। वह चल भी नहीं पा रही थीं। वह अपनी बहू मीना के साथ आईं थीं। दवा लेने के बाद परिजन उन्हें ले जाने के लिए व्हीलचेयर तलाश रहे थे मगर पूरे अस्पताल में कहीं नहीं मिली। रानी की बहू मीना ने बताया कि माल गोदाम की ओर गेट तक ई रिक्शा मिलता है।

कहीं आप तो नहीं खरीद रहे नामी कंपनियों का एक्सपायर माल, बरेली में इस खेल का भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

बरेली , एजेंसी। बरेली में नामचीन कंपनियों के एक्सपायर्ड माल की रीपैकिंग कर बाजार में खपाने के खेल का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने सीतापुर निवासी व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सीआई पार्क के पास स्थित उसके गोदाम से लाखों रुपये का माल बरामद किया गया है। इसमें कॉस्मेटिक और कई मेडिकल प्रोडक्ट भी शामिल हैं। आरोपी के खिलाफ बारादरी थाने में ट्रेडमार्क, कॉपीराइट अधिनियम, धोखधड़ी और जालसाजी की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बृहस्पतिवार दोपहर गश्त के दौरान बारादरी थाने के दरोगा अरविंद कुमार सिंह को सूचना मिली कि सीतापुर का युवक दिल्ली के बाजारों से नामचीन कंपनियों का एक्सपायर व रिजेक्ट माल सस्ते दामों में खरीदकर लाता है। रीपैकिंग कर माल को बरेली में पूरी कीमत पर बेचता है। इस समय वह गंगापुर में एक दुकानदार के यहां रीपैक किया हुआ पुराना माल बेचने आया है।

नामी कंपनियों के उत्पाद बरामद- दरोगा ने शाहदाना से गंगापुर जाने वाले रास्ते पर मस्जिद के पास से उसे पकड़ लिया। आरोपी ने अपना नाम करन साहनी बताया। वह सीतापुर के कोतवाली थाना क्षेत्र की आवास विकास कॉलोनी का रहने वाला है। उसके पास से काफी मात्रा में नामचीन कंपनी का बेबी ऑयल व लोशन, पॉकेट परफ्यूम, फेयरनेस क्रीम, हेयर ऑयल व शैंपू आदि बरामद किए गए।

उसने पुलिस को बताया कि वह दिल्ली के सरदार बाजार से एक्सपायरी माल लाता है और रीपैकिंग कर यहां बेचता है। उसने सीआई पार्क के पास ललित गंगवार का गोदाम किराये पर ले रखा है और वह यहां कृष्णा वाटिका में किराये के मकान में रहता है। पुलिस ने गोदाम पर छापा मारा तो वहां एक्सपायर व रिजेक्ट माल का जखीरा बरामद हुआ। मौके से पुलिस को हीट सीलिंग पैकिंग मशीन, तीन बोतल थिनर, चार बंडल पैकिंग पन्नी, टेप, रीलेवलिंग का सामान भी मिला।

इस तरह किया जा रहा था खेल- आरोपी ने पुलिस ने बताया कि जो उत्पाद प्लास्टिक के डिब्बों में होते थे, उनकी एक्सपायरी डेट मिटाने के लिए थिनर समेत अन्य केमिकल का इस्तेमाल करता था। इसके बाद नई एक्सपायरी डेट डाल देता था। जिन उत्पादों पर स्टीकर लगे होते थे, उनके ऊपर नया स्टीकर लगा दिया जाता था।

इसके अलावा आरोपी हीट सीलिंग पैकिंग मशीन का भी इस्तेमाल करता था। पुलिस ने उसके पास से जो उत्पाद बरामद किए, उनमें से कुछ पर हीट सीलिंग मशीन के कारण फिनिशिंग ठीक से नहीं हुई थी। कुछ के स्टीकर छुड़ाकर देखे तो पोल खुल गई। गोदाम में काफी मात्रा में एक्सपायर उत्पाद भी रखे थे। ऐसे में वह पुलिस की पकड़ में आ गया।

साप्ताहिक बाजार और फुटकर दुकानदारों को बेचता था माल- पूछताछ में करन ने पुलिस को बताया कि वह शहर के साप्ताहिक बाजारों और फुटकर विक्रेताओं को माल बेचता था। ये विक्रेता 10-20 पीस ही लिया करते थे। इसके अलावा वह देहात क्षेत्र की परचून दुकानों और जनरल स्टोरों पर भी माल खपाता था। नामचीन कंपनियों के उत्पाद बेचने पर दुकानदारों को कम कमीशन मिलता है, लेकिन आरोपी उनको ज्यादा छूट देता था। इस वजह से दुकानदार उसका सामान हाथों हाथ लेते थे।

औषधि निरीक्षक भी पहुंचे, रात 10 बजे तक चली सामानों की गिनती

सूचना पर औषधि निरीक्षक राजेश कुमार भी मौके पर पहुंच गए। गोदाम में मिले नामचीन कंपनियों के 625 से ज्यादा उत्पादों की गिनती रात 10 बजे तक जारी रही। बरामद माल की कीमत लाखों में आंकी गई है। मेडिकल, कॉस्मेटिक और एलोपैथिक प्रोडक्ट बेचने संबंधी वह कोई लाइसेंस भी नहीं दिखा सका। उसके खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया है। कई उत्पादों के सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि नामचीन कंपनियों के एक्सपायर सामान को बाजार में खपाने के आरोपी को बारादरी पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। उसके गोदाम से कई लाख रुपये का एक्सपायर व रिजेक्ट माल बरामद किया गया है। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

सभी धर्म समान, भेदभाव करना गलत

सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) के ऑडिटोरियम में चल रहे अंतरराष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव के चौथे दिन दिखाई गई फिल्मों ने बच्चों को यह सीख दी।

बृहस्पतिवार को फिल्म महोत्सव का शुभारंभ पंजाबी अभिनेता अशोक पुरी, अनिल रस्तोगी और इमरान खान ने किया। इसके बाद अवनी की किस्मत, व्हेयर इज द मून, टियर्स ऑफ शिवा, पिनोचिया, डोर्स इन लाफ आदि फिल्में दिखाई गईं। फिल्म सत्यमेव जयते के जरिये बच्चों ने देशभक्ति का पाठ पढ़ा। बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से विविधता में एकता की अहमियत समझाई। इस मौके पर अभिभावक भी मौजूद रहे। अभिनेता अशोक पुरी ने कहा कि लोग दिल्ली को देश का दिल मानते हैं, लेकिन मैं लखनऊ को।

सूरजपुर में प्राचीनकालीन ऐतिहासिक बाराही मेला-2025 का शनिवार, तीसरा दिन

रात्रिकालीन कार्यक्रमों की श्रंखला में हरेंद्र नागर, पिंकी शर्मा, गजेंद्र दौसा कलाकारों ने एक से बढ कर एक रागनियां प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी

फ्यूचर लाइन टाईम्स

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर में चल रहे ऐतिहासिक प्राचीनकालीन बाराही मेला.2025, दिन शनिवार तीसरे दिन राधे स्नेह निकेतन पब्लिक स्कूल सूरजपुर के नन्हे मुन्हों ने गीत संगीत और नृत्य की खास प्रस्तुति दी। रात्रिकालीन रगानियों के रंगारंग कार्यक्रम में हरेंद्र नागर एंड पार्टी के कलाकारों ने एक से बढ कर एक रागनी की प्रस्तुति देते हुए शमा बांध दिया। जब कि लोक कला संस्कृति मंच से राजबाला सपेरा एंड पार्टी राजस्थान के कलाकारों द्वारा गीत संगीत के साथ खास नृत्य प्रस्तुत किए गए। सिकंदरनाथ बीन तुंबा पार्टी के कलाकारों के द्वारा कई प्रकार के करतब दिखाते हुए विशेष प्रस्तुति खासा आकषर्ण का केंद्र रही। चौपाल की विशेष प्रस्तुति में नगाडा पार्टी के कलाकारों के द्वारा संगीत और नृत्य की प्रस्तुति ने लोगों का मन मोह लिया। इसके साथ ही कच्ची घोडी और उंट की सवारी भी पूरे मेला प्रांगण में राजस्थानी कला और संस्कृति की झलक दिखालते हुए दिखाई दे रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुल्तानपुर के जिला जज राधेश्याम यादव रहे। उन्होंने दीप प्रज्वलन कर मेले के तीसरे दिन का विधिवत शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बाराही मेला केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि लोक आस्था, संस्कृति और सामाजिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। रागनी जैसी लोक विधाएँ आज भी समाज को आईना दिखाने का कार्य कर रही हैं। न्याय व्यवस्था को जनभावनाओं से जुड़ने का अवसर ऐसे मेलों में मिलता है। यह आयोजन न सिर्फ मनोरंजन है, बल्कि यह समाज को सोचने, समझने और जागने की प्रेरणा देता है। जिला जज श्री यादव ने कलाकारों की प्रस्तुति की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतिभाओं को मंच देना हमारी सांस्कृतिक विरासत को

जीवित रखने का महत्वपूर्ण कार्य है। ऐतिहासिक प्राचीन बाराही मेला-2025 के तासरे दिन शनिवार को प्रांगण में जनसैलाब उमड़ पड़ा था। बच्चों के लिए झूले, महिलाओं के लिए जरूरत का सामान और हर आयु वर्ग के लिए पारंपरिक खानपान के स्टॉल मेले में रंग भरते दिखे। ग्रामीण अंचल से लेकर शहरी क्षेत्रों तक से आए दर्शकों ने देर रात तक चलने वाले इस सांस्कृतिक आयोजन का भरपूर आनंद लिया।रात्रिकालीन कार्यक्रमों की श्रंखला में हरेंद्र नागर, पिंकी शर्मा, गजेंद्र दौसा कलाकारों ने एक से बढ कर एक रागनियां प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। शगुन चौधरी और कशिश चौधरी ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत करते हुए जमकर धमाल मचाया। पिंकी शर्मा ने मंदिर मिलजा, भगत मिले न, भगवान मिले पैसा से। जीवन मरण मिले न, जीवनदान मिले पैसा से।। उपदेश और देशभक्ति रागनी प्रस्तुत करते हुए खूब वाहवाही लूटी। गजेंद्र दौसा और हरेंद्र नागर ने नल दमयंती किस्से और पिंकी शर्मा व गजेंद्र दौसा ने महाभारत के किस्से द्रोपदी चरण का प्रसंग सुनाया। हरेंद्र नागर ने -- सूरजपुर में बाराही मैया , तेरी होती जय जयकार रही, शीश झुकावे सारी दुनिया, सारे जग में महिमा तेरी, तू सबकी भाग्य विधाता, तेरी जोहड में जो नहाले रोग मुक्त वो होता जाता है।.. भजन प्रस्तुत करते हुए श्रोताओं की जमकर तालियां बटोरीं। शिव मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महामंत्री ओमवीर बैंसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल, मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा, सरंक्षक सतवीर भाटी, टेकचंद प्रधान,वरिष्ठ उपाध्यक्ष बिजेंद्र ठेकेदार, उपाध्यक्ष जगदीश भाटी एडवोकेट, राजपाल भडाना, महाराज सिंह उर्फ पप्पू, विनोद सिकंद्राबादी, रवि भाटी आदि पदाधिकारियों ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, राधे स्नेह निकेतन पब्लिक स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल सोनी और हरेंद्र नागर एंड पार्टी के कलाकारों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि कल दिनांक 14 अप्रैल-2025, दिन सोमवार को दीक्षा डिग्री कॉलेज सूरजपुर के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। जब कि रागनियों के रंगारंग कार्यक्रम में देवेंद्र डॉगी, पूजा राव, मनीषा मरजानी, ब्रहमजीत भडाना और नीलम आदि कलाकारों द्वारा खास प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इस मौके पर कार्यक्रम में राजवीर शर्मा, भीम खारी, तोलाराम, राकेश बैंसला, अज्जू भाटी, अनिल कपासिया, विनोद पंडित तेल वाले, रूपेश चौधरी और हरि शर्मा आदि शिव मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारी और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि: श्रीमती पूनम कालरा को अंतिम विदाई, 14 अप्रैल को होगा रस्म पगड़ी का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा, 13 अप्रैल 2025 – कालरा परिवार की पूज्यनीय सदस्या श्रीमती पूनम कालरा (पत्नी स्व. श्री इंदर राज कालरा) का 2 अप्रैल 2025 को दुखद निधन हो गया। उनका जीवन सादगी, करुणा और परिवार के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा। परिवार, मित्रों और समाज के बीच वे अपने सौम्य व्यवहार और दृढ़ मूल्यों के लिए जानी जाती थीं। उनकी आत्मा की शांति हेतु रस्म पगड़ी का आयोजन 14 अप्रैल 2025 को किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक, इस्कॉन मंदिर, संस्कार भवन (प्रथम तल), अ-5, एनटीपीसी कार्यालय के सामने, सेक्टर 33, नोएडा में आयोजित किया जाएगा। परिवार की ओर से पुत्र बदल कालरा, बेटियां भावना एवं हिमांशी तथा दामाद अंकित अरोड़ा एवं डॉ. जयंत वर्मा सभी रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों से अनुरोध कर रहे हैं

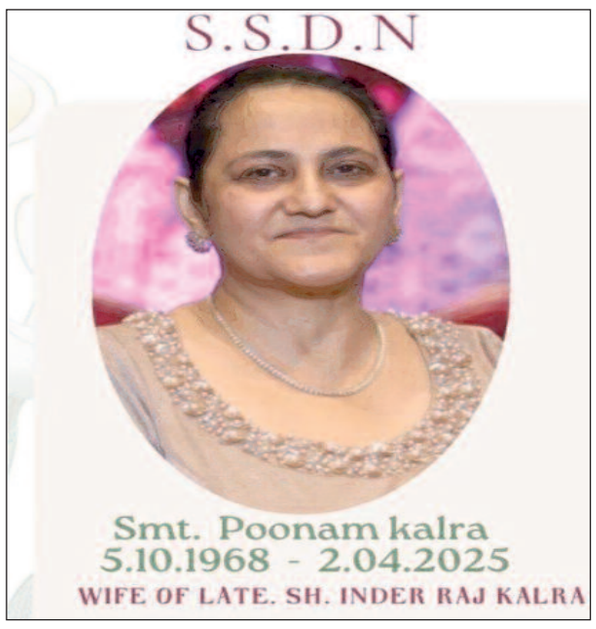

कि वे इस श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को अंतिम विदाई दें और शोक संतप्त परिवार को संबल प्रदान करें।यह क्षति कालरा परिवार के साथ-साथ पूरे सामाजिक परिवेश के लिए अपूरणीय है।शोकाकुलः कालरा, अरोड़ा, ग्रोवर एवं वर्मा परिवार।

बाबा साहब की जयंती पर गौतम बुद्ध नगर में सफाई अभियान, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया श्रमदान

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गौतम बुद्ध नगर, 13 अप्रैल 2025 – भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती की पूर्व संध्या पर गौतम बुद्ध नगर में सफाई अभियान का व्यापक स्तर पर आयोजन किया गया। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के तहत जिले की तीनों तहसीलों में यह अभियान चलाया गया, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और आमजन ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मुख्य विकास अधिकारी विद्यानाथ शुक्ल के नेतृत्व में विकास भवन परिसर में सफाई अभियान चलाया गया। उन्होंने न सिर्फ परिसर की सफाई कराई बल्कि स्वयं भी श्रमदान करते हुए अभियान में भागीदारी निभाई। इसी क्रम में वे ग्राम पंचायत प्यावली व ग्राम जारचा के स्कूलों में पहुंचे और बाबा साहब की प्रतिमा एवं परिसर की साफ-सफाई कर योगदान दिया। तहसील जेवर में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे के नेतृत्व में तथा तहसील दादरी में सिटी मजिस्ट्रेट विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यालय व परिसर की साफ-सफाई की। बाबा साहब की प्रतिमाओं की सफाई व माल्यार्पण की तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया गया।

जिलाधिकारी के निर्देशन में 14 अप्रैल को सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की उपस्थिति में बाबा

साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न विचार गोष्ठियों और कार्यक्रमों के माध्यम से उनके योगदान व विचारों को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

बिल्डर के खिलाफ खरीदारों ने हल्ला बोल प्रदर्शन किया

फ्यूचर लाइन टाईम्स- ग्रेटर नोएडा। WTC IT/ITES प्रोजेक्ट जो TZ-13B, सेक्टर टेक-जोन, ग्रेटर नोएडा यमुना एक्सप्रेस पर स्थित है प्रोजेक्ट टेक 1 और 2, 1D, 1E, सिग्नेचर, टेक-जोन टॉवर 1ABC, प्लाजा, क्वाड, क्यूबिड, टेकजोन 4 और रिवरसाइड रेजीडेंसी यमुना एक्सप्रेस और WTC CBD सेक्टर -132 में अपने डायरेक्ट ईशा भल्ला ने लगभग 5000 करोड़ रुपये और 20000 खरीदार खरीदे हैं। फ्रॉड किए गए हैं जिनमें हजारों खरीदार एवं अन्वेषक हैं,

डब्ल्यूटीसी कोर्ट आशीष बहाहा के खिलाफ विभिन्न भारतीय अदालतों में लगभग 350, उपभोक्ता अदालतों, उच्च न्यायालय और एनसीएलटी अदालतों में गंभीर धोखाधड़ी जांच विभाग द्वारा गंभीर कानूनी मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन 27

तारीख के बाद भी कोई निर्णय नहीं हुआ। इस प्रोजेक्ट में अब भूतनी ग्रुप ने शेयर खरीद कर एक और बड़े फ्रॉड किया अंजाम देने की भूमिका तैयार की जा रही है।डब्ल्यूटीसी से संपर्क किया गया, लेकिन कुछ भी ठोस नहीं है, डब्ल्यूटीसी सभी वगीर्कृत के खिलाफ प्रदर्शनों की व्यवस्था में उनके जसोला कार्यालय का विरोध किया गया। हमने सभी सरकारी अधिकारियों और कंपनियों को लाइसेंस में और व्यक्तिगत रूप से कई बार लिखा लेकिन किसी से भी कोई पावती नहीं मिली, कार्रवाई के बारे में क्या बात की गई है हम फर्म के कार्यालय में अतुल कुमार से हैं। लेकिन उनका कहना है कि हमने कुछ भी नहीं कहा है कि रेरा से सभी ऑर्डर के लिए फर्म कार्यालय में आ गए हैं। यह पूरी तरह से ध्यान भटकाने वाली रणनीति है और कोई जिम्मेदारी नहीं ले रहा है।16 फरवरी को हम आशीष भल्ला भूटानी फिल्म निमार्ताओं के साथ प्रदर्शन कर रहे थे तो सेक्टर 142 के SHO आए और हमसे मिले, हमें विश्वासपात्र से पता चला कि पुलिस के पास करीब 100-200 फिल्में दर्ज हैं, लेकिन 16 फरवरी को हम आशीष भल्ला भूटानी के खिलाफ कोई विज्ञापन नहीं दे रहे हैं। ऐसा लगता है कि पुलिस को तत्काल इस पर ध्यान देना चाहिए और बी काउस 411 और 111 में संबंधित अपराध के इरादे से दस्तावेज दर्ज करना चाहिए। यह मूल रूप से सिस्टम की विफलता और सिस्टम में निर्मित है, बिल्डर इस अलौकिक तंत्र का लाभ देता है और न्यायिक प्रशासन और न्यायिक तंत्र का लाभ लेता है। उनके पास एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय का चक्कर लगाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। हमारा खरीदारी ने दोपहर 1 बजे तक हम डब्ल्यूटीसी नोएडा टीजेड-13 बी, सेक्टर, टेक-जोन, ग्रेटर नोएडा के सामने एक बड़ा प्लान कर रहे हैं, आप सभी से निवेदन है कि हमारी कंपनी की धन संपदा को बढ़ावा देने के लिए हमारा सहयोग करें।

रौनक 2025: आईबीआई के वार्षिक महोत्सव में देशभर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की भागीदारी, थिएटर क्लब का हुआ शुभारंभ

फ्यूचर लाइन टाईम्स-ग्रेटर नोएडा। आई बिजनेस इंस्टिट्यूट IBI ग्रेटर नोएडा में शनिवार को वार्षिक महोत्सव 'रौनक 2025' का भव्य आयोजन हुआ। इस बार का थीम था – "Innovate for an Inclusive Future: People, Planet & Prosperity"। कार्यक्रम में देशभर के प्रमुख विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।रौनक 2025 ने न केवल छात्रों की प्रतिभा को मंच दिया, बल्कि विविधता, समावेशन और नवाचार के मूल्यों को भी उजागर किया। इस अवसर पर थिएटर क्लब की भी औपचारिक रूप से शुरूआत की गई, जिससे संस्थान की सांस्कृतिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।फेस्ट में बैटल ऑफ बैंड्स, रैप वॉर, इंस्ट्रूमेंटल वागांजआ, डिबेट, बिजनेस क्विज, डांस, सॉग, और अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छात्रों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।संस्थान के निदेशक मंडल ने इस पहल की सराहना करते हुए

कहा, ह्लरौनक सिर्फ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हमारे विद्यार्थियों की नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच और सामाजिक चेतना का उत्सव है। थिएटर क्लब की स्थापना से छात्रों को आत्म-अभिव्यक्ति का एक नया मंच मिला ।

गहने और नकदी चोरी कर घरेलू सहायिका फरार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। दस तोला सोना और नकदी लेकर घरेलू सहायिका फरार हो गई। वारदात के बाद उसने मोबाइल नंबर भी बंद कर दिया। सेक्टर-113 थाने में दी शिकायत में सेक्टर-77 के सिविटैक सम्प्रीति सोसाइटी निवासी कमला उपाध्याय ने बताया कि उनके घर पर सपना कुमारी नाम की महिला बतौर घरेलू सहायिका काम करती थी। सपना सोरखा में गैर समुदाय के युवक के साथ किराये के मकान में रह रही थी। बीते माह 12 मार्च को शाम चार बजे के करीब सपना कमला के घर पर काम करने के लिए आई। शाम पांच बजे वह घर से निकली। इस दौरान वह करीब दस लाख रुपये के सोने के गहने और 40 हजार रुपये की नकदी समेटकर ले गई। पुलिस घरेलू सहायिका सपना और उसके साथ रह रहे नावेद नाम के युवक की तलाश कर रही है। बताया जा रहा है कि शिकायतकर्ता ने घरेलू सहायिका का वेरिफिकेशन नहीं कराया था। पुलिस मोबाइल नंबर के आधार पर घरेलू सहायिका तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

सड़क हादसे में कार सवार की मौत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत नोएडा-आगरा एक्सप्रेसवे पर शनिवार देर रात करीब दो बजे माइल स्टोन 37 के पास एक टाटा नेक्सन कार चलते ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार रोहित राज निवासी मोदीनगर, गाजियाबाद की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही जेवर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शनिवार रात को रोहित आगरा की तरफ यमुना एक्सप्रेसवे पर जा रहे थे। जेवर कोतवाली क्षेत्र में उनकी कार आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायल रोहित को ग्रेटर नोएडा के अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है।कोतवाली प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों की तरफ से अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। शिकायत मिलने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा करके पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

तोहफे में मां से मिली बाइक से लूट करने वाला बदमाश गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। मां से तोहफे में मिली बाइक पर साथी के साथ सवार होकर मोबाइल लूट करने वाले बदमाश को सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने रविवार को दबोच लिया। बदमाशों के पास से लूट और चोरी के चार मोबाइल, वारदात में इस्तेमाल बाइक और दो चाकू समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। थाना प्रभारी ने बताया कि मोबाइल लूट की वारदात को रोकने के लिए पुलिस की टीमें रविवार को क्षेत्र में चेकिंग कर रही थीं। इसी दौरान एफएनजी सर्विस रोड पर एक बाइक पर सवार होकर दो युवक गुजरे। संदिग्ध लगने पर पुलिसकर्मियों ने बाइक सवारों को रोककर तलाशी लेनी शुरू की। दोनों के पास से चार मोबाइल मिले। पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों युवक शातिर किस्म के चोर और लुटेरे हैं। बदमाशों की पहचान फतेहपुर निवासी 20 वर्षीय अभिषेक और बरेली के भमोरा निवासी 21 वर्षीय सोनू के रूप में हुई। दोनों वर्तमान में मामूरा में किराये का कमरा लेकर रह रहे हैं। पूछताछ में बदमाश अभिषेक ने बताया कि वारदात में जो बाइक इस्तेमाल की जा रही थी वह उसके मां के नाम पर पंजीकृत है। उसकी मां ने ही बाइक खरीद कर दी थी। दोनों महंगे शौक को पूरा करने के लिए मोबाइल लूट और चोरी करते थे। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि गिरफ्त में आए दोनों बदमाश शातिर किस्म के अपराधी हैं। वे दिल्ली-एनसीआर में बाइक से घूमते हैं और मौका पाते ही मोबाइल लूट और चोरी की वारदात कर डालते हैं। वारदात का विरोध करने पर लोगों को डराने के लिए आरोपी अपने पास चाकू भी रखते हैं। पुलिस दोनों बदमाशों का आपराधिक इतिहास पता कर रही है।

सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। हरियाणा के जिला पलवल थाना उटावड गांव मालपुरी के इस्लाम खान ने बताया कि उसका चचेरा भाई शाकिर सूरजपुर स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। 9 अप्रैल की रात करीब 11 बजे वह फैक्ट्री से होटल खाना खाने के लिए जा रहा था। सूरजपुर साइट सी तिराहे पर एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में उसे नजदीकी अस्पताल भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर होने की वजह से उसे दिल्ली सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान शनिवार को डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कंटेनर की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ईकोटेक तीन कोतवाली क्षेत्र में यामहा कट से आगे भारत पेट्रोल पंप के पास एक कंटेनर ने मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति को टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे नजदीकी अस्पताल भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान बिहार समस्तीपुर थाना मुस्फीस के गांव मुकंदपुर के 32 वर्षीय किशन कुमार के रूप में हुई है। मृतक के भाई आदित्य की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी केंटर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। आदित्य ने बताया कि उसका परिवार सूरजपुर कस्बे में रहता है। शनिवार शाम को उनका भाई किशन कुमार एक कंपनी में ड्यूटी के लिए घर से निकला था। यामाहा कट से आगे भारत पेट्रोल पंप के समीप एक कंटेनर टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद आरोपी कंटेनर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायल को यथार्थ अस्पताल भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया, उनकी मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

किशोरी के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को दबोचा

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर जे जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को सेक्टर-63 थाने की पुलिस ने रविवार को गढ़ी गोल चक्कर के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी युवक को पुलिस कई दिनों से तलाश रही थी। थाना प्रभारी ने बताया कि छह फरवरी को एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसकी बेटी घर पर बिना किसी को बताए कहीं चली गई है। काफी तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चल सका है। प्रार्थनापत्र के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज किया और किशोरी की सकुशल बरामदगी के लिए एक टीम गठित कर दी गई। शिकायत दर्ज करने के कुछ ही दिन बाद किशोरी को पुलिस टीम ने सकुशल बरामद कर लिया। किशोरी से पूछताछ के दौरान कासगंज के पटियाली निवासी धनंजय चौहान का नाम प्रकाश में आया। बयान, मेडिकल और अन्य साक्ष्य के आधार पर केस में पॉक्सो समेत अन्य धाराओं को बढ़ाया गया। लंबे समय से फरार चल रहा धनंजय रविवार को जब किसी काम से नोएडा आया तभी मुखबिर से मिली सूचना पर उसे गढ़ी गोल चक्कर के पास से दबोच लिया गया। धनंजय वर्तमान में चोटपुर कॉलोनी में किराये का कमरा लेकर रहा रहा था। यहीं पर उसकी मुलाकात किशोरी से हुई थी। कई दिन तक बातचीत करने के बाद वह उसे बहला फुसलाकर ले गया था। न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

राष्ट्र के सजग पथ प्रदर्शक थे डॉ. आम्बेडकर

रमेश सर्राफ धमोरा

देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बा बा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर हमारे देश के संविधान के निमार्ता ही नहीं अपितु दुनिया के सबसे बड़े राजनेताओं में से एक थे। उनकी दूर दृष्टि, उनके ज्ञान, लोगों को समझने का उनका नजरिया, जाति प्रथा के विरुद्ध उनके तेवर को देखते हुए ही उन्हें भारतीय संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया था। ताकि भारत का संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक हो। आज हम देखते हैं कि बाबा साहेब आम्बेडकर के नेतृत्व में रचित भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र का एक सजग प्रहरी बनकर खड़ा हुआ है। जहां कहीं भी सरकार द्वारा नियम विरुद्ध कुछ किया जाता है तो संविधान उन्हें उनके कर्तव्य पथ की याद दिलाकर सही राह पर चलने की प्रेरणा देता है। भारत का संविधान आज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधान में से एक माना जाता है जिसका श्रेय बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर को जाता है।

डॉ. भीमराव आम्बेडकर का जीवन दर्शन आज भी प्रासंगिक है क्योंकि इसने भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को आकार देने में मदद की। पुरानी और पुरातन मान्यताओं से प्रगति लाकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। बाबासाहेब भीमराव आम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्यप्रदेश के मऊ में एक गरीब परिवार मे हुआ था। वो भीमराव रामजी मालोजी सकपाल और भीमाबाई की 14 वीं सन्तान थे। उनका परिवार मराठी था जो महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले मे स्थित अम्बावडे नगर से सम्बंधित था। उनके बचपन का नाम रामजी सकपाल था। वे हिंदू महार जाति के थे जो अछूत कहे जाते थे। उनकी जाति के साथ सामाजिक और आर्थिक रूप से गहरा भेदभाव किया जाता था। एक अस्पृश्य परिवार में जन्म लेने के कारण उनको बचपन कष्टों में बिताना पड़ा था।

देश में हर वर्ष 14 अप्रैल को बाबासाहेब डा.भीमराव आम्बेडकर की जयन्ती मनायी जाती है। बाबासाहेब की जयन्ती पर लोगों को संकल्प लेना चाहिये कि हम सब सच्चे मन से उनके बताये मार्ग का अनुशरण करेगें। उनके बनाये संविधान का पालन करेगें। ऐसा कोई काम नहीं करेगें जिससे देश के किसी कानून का उल्लघंन होता हो। चूंकि बाबासाहेब हमेशा जाति प्रथा, ऊंच नीच की बातों के विरोधी थे। इसलिये उनकी जयन्ती पर उनको श्रधांजली देने का सबसे अच्छा तरीका है उनके सिद्धांतो को अपने जीवन में अपनाये।

बाबा साहेब आम्बेडकर कुल 64 विषयों में मास्टर थे। वे हिन्दी, पाली, संस्कृत, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, मराठी, पर्शियन और गुजराती जैसे 9 भाषाओं के जानकार थे। इसके अलावा उन्होंने लगभग 21 साल तक विश्व के सभी

धर्मों की तुलनात्मक रूप से पढाई की थी। डॉक्टर आम्बेडकर अकेले ऐसे भारतीय है जिनकी प्रतिमा लंदन संग्राहलय में कार्ल मार्क्स के साथ लगाई गई है। इतना ही नहीं उन्हें देश विदेश में कई प्रतिष्ठित सम्मान भी मिले है। भीमराव आंबेडकर के पास कुल 32 डिग्री थी। डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर के निजी पुस्तकालय राजगृह में 50 हजार से भी अधिक किताबें थी। यह विश्व का सबसे बडा निजी पुस्तकालय था।

बाबा साहब का मानना था कि वर्गहीन समाज गढने से पहले समाज को जाति विहीन करना होगा। आज महिलाओं को अधिकार दिलाने के लिए हमारे पास जो भी संवैधानिक सुरक्षाकवच, कानूनी प्रावधान और संस्थागत उपाय मौजूद हैं। इसका श्रेय किसी एक मनुष्य को जाता है वे हैं डॉ. भीमराव आम्बेडकर। भारतीय संदर्भ में जब भी समाज में व्याप्त जाति, वर्ग और लिंग के स्तर पर व्याप्त असमानताओं और उनमें सुधार के मुद्दों पर चिंतन हो तो डॉ. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण को शामिल किए बिना बात पूरी नहीं हो सकती।

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आम्बेडकर का सपना था कि भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। लोग आम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते है। जबकि उन्होने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था। मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हे सर्वसमाज के नेता के बजाय दलित समाज का नेता के रूप में स्थापित कर दिया। डा.आम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले बनें।

भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो आम्बेडकर संभवतः पहले अध्येता रहे हैं। जिन्होंने जातीय संरचना में महिलाओं की स्थिति को समझने की कोशिश की थी। उनके संपूर्ण विचार मंथन के दृष्टिकोण में सबसे महत्वपूर्ण मंथन का हिस्सा महिला सशक्तिकरण था। आम्बेडकर यह बात समझते थे कि स्त्रियों की स्थिति सिर्फ ऊपर से उपदेश देकर नहीं सुधरने वाली, उसके लिए कानूनी व्यवस्था करनी होगी। हिंदू कोड बिल महिला सशक्तिकरण का असली आविष्कार है। इसी कारण आंबेडकर हिंदू कोड बिल लेकर आये थे। हिंदू कोड बिल भारतीय महिलाओं के लिए सभी मर्ज की दवा थी। पर अफसोस यह बिल संसद में पारित नहीं हो पाया और इसी कारण आम्बेडकर ने कानून मंत्री पद का इस्तीफा दे दिया था।

डा.भीमराव आम्बेडकर का मानना था कि भारतीय महिलाओ के पिछड़ेपन की मूल वजह भेदभावपूर्ण समाज व्यवस्था और शिक्षा का अभाव है। शिक्षा में समानता के संदर्भ में आंबेडकर के विचार स्पष्ट थे। उनका मानना था कि यदि हम लडकों के साथ-साथ लड़कियों की शिक्षा पर ध्यान देने लग जाए तो प्रगति कर सकते है। शिक्षा पर किसी एक ही वर्ग का अधिकार नहीं है। समाज के प्रत्येक वर्ग को शिक्षा का समान अधिकार है। नारी शिक्षा पुरुष शिक्षा से भी अधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि पूरी पारिवारिक व्यवस्था की धुरी नारी है उसे नकारा नहीं जा सकता है।

जब 15 अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस के नेतृत्व वाली नई सरकार बनी तो उसमें डा.आम्बेडकर को देश का पहले कानून मंत्री नियुक्त किया गया। 29 अगस्त 1947 को डा.आम्बेडकर को स्वतंत्र भारत के नए संविधान की रचना कि लिए बनी संविधान मसौदा समिति के अध्यक्ष नियुक्त किया गया। 26 नवम्बर 1949 को संविधान सभा ने उनके नेतृत्व में बने संविधान को अपना लिया। अपने काम को पूरा करने के बाद बोलते हुए डा.आम्बेडकर ने कहा मैं महसूस करता हूं कि भारत का संविधान साध्य है, लचीला है पर साथ ही यह इतना मजबूत भी है कि देश को शांति और युद्ध दोनों समय जोड़ कर रखने में सक्षम होगा। मैं कह सकता हूं कि अगर कभी कुछ गलत हुआ तो इसका कारण यह नही होगा कि हमारा संविधान खराब था बल्कि इसका उपयोग करने वाला मनुष्य ही गलत था। आम्बेडकर ने 1952 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप मे लोक सभा का चुनाव लड़ा पर हार गये। मार्च 1952 मे उन्हें राज्य सभा के लिए मनोनित किया गया। अपनी मृत्यु तक वो उच्च सदन के सदस्य रहे।

डा.आम्बेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में अपने लाखों समर्थकों के साथ एक सार्वजनिक समारोह में एक बौद्ध भिक्षु से बौद्ध धर्म ग्रहण कर लिया। राजनीतिक मुद्दों से परेशान आम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को आम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर मे मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली मे उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया। 1990 में बाबासाहेब डा.आम्बेडकर को भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकारों की उपेक्षा के चलते बाबा साहेब को भारत रत्न सम्मान बहुत देर से प्रदान किया गया। जिसके वे सबसें पहले हकदार थे।

आम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में आम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेको सार्वजनिक संस्थानो का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। आम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। बाबा साहब ने शिक्षित बनों, संगठित रहो तथा संघर्ष करो का नारा दिया था। शिक्षित बनने का अर्थ है कि हमारे ज्ञान के द्वार खुलते हैं और संगठित रहो का मतलब शक्ति प्राप्त करना हैं।

संपादकीय

प्रदूषण से जंग

दिल्ली में प्रदूषण से जूझने और धूल-मिट्टी को दबाने के लिए पानी का छिड़क ाव करने वाले यंत्र लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विशेष साक्षात्कार के दौरान कहा कि उनकी सरकार सुनिश्चित करेगी कि पानी का छिड़काव करने वाले उपकरण और स्मॉग गन पूरे साल काम करें। दिल्ली की हवा में धूल का बड़ा योगदान है। धूल सिर्फ सर्दियों में ही नहीं, बल्कि गर्मियों में लू चलने के दौरान भी उड़ती देखी जाती है। अब सरकार एक हजार वाटर स्प्रिंकलर चलाएगी। चूंकि दिल्ली में नगर निगम के ढाई सौ वार्ड. हैं। इसलिए हर वार्ड. में चार स्प्रिंकलर स्ट्रीट लाइट के खंभों पर लगाने की योजना है। दिल्ली में वायु प्रदूषण बड़ा मुद्दा बन चुका है। विधानसभा चुनाव के दरम्यान भाजपा ने इस पर केजरीवाल सरकार को घेरा भी खूब था। इससे निपटने के लिए गुप्ता सरकार कई योजनाएं ला रही है, जिनमें इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना, पुराने वाहनों को रोकना और सार्वजनिक यातायात को सुचारू बनाना शामिल है। पिछले दिनों नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग की रपट वाहनों से होने वाले प्रदूषण के जारी होने के बाद गुप्ता सरकार और भी आक्रामक नजर आ रही है। दिल्ली में अड़क्षतालिस हजार इलेक्ट्रिक वाहन के चार्जिंग स्टेशन की बात भी सामने आई है। इसे सार्थक कदम कहा जा सकता है कि सरकार स्वच्छ व पर्यावरणनुकूल वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रति उत्साहित नजर आ रही है। मगर इसका खमियाजा भी जनता को ही भुगतना पड़ता है। वाहन प्रदूषण से दिल्लीवासियों को बचाने वाले तरीके उनकी जेब खाली कराने वाले भी बन सकते हैं। पुराने वाहन चालकों को जब मजबूरन नये वाहन खरीदने पड़ेंगे तो वे सरकार के प्रति नाराजगी के भाव से भर सकते हैं। दिल्ली-एनसीआर में बड़ा वर्ग टैक्सियां व कैब्स चलाता है, मोटरसाइकलों-छोटे माल वाहकों के भरोसे रोजी-रोटी कमाता है, उसे लगने वाले झटके से कैसे बचा जा सकता है। जल छिड़क ाव की जहां तक बात है तो इन्हें भरने व सुरक्षित रख-रखाव का बोझ अतिरिक्त होगा। व्यावसायिक निर्माण, टूटी सड़कें, गलियां व फुटपाथों को सुधार कर धूल से निपटान को प्राथमिकता देना सीखना होगा।

चिंतन-मनन

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्त्तव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड भय बिना सदा सत्कर्मो तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे।

यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्त्तव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की। इस विकास पर ही जीवनोद्देश्य की पूर्ति और मनुष्य जन्म की सफलता निहित है।

यदि ईश्वर को प्रतीत होता कि बुद्धियुक्त मनुष्य पशुओं जैसा ही मूर्ख रहेगा तो शायद उसने उसके लिए भी दंड की व्यवस्था सोची होती। झूठ बोलते ही जीभ में छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने जैसे दंड की तुरत-फुरत व्यवस्था होती तो किसी के लिए भी दुष्कर्म करना संभव न होता लेकिन ऐसे में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक बुद्धि व आंतरिक महानता विकसित होने का अवसर ही न आता और आत्म विकास के बिना पूर्णता का लक्ष्य पाने की दिशा में प्रगति न होती। अतः परमेर के लिए उचित था कि मनुष्य को अपना सबसे बुद्धिमान और जिम्मेदार बेटा

बेलगाम फीस की वसूली- प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगाम कब लगेगी?

संतोष कुमार पाठक

प्रा इवेट स्कूलों द्वारा फीस में बेलगाम बढ़ोतरी की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्राइवेट स्कूलों के संचालकों में मुनाफा कमाने का लालच इस कदर बढ़ता जा रहा है कि वे सारी सीमाओं को तोड़ते जा रहे हैं। स्कूल से जबरदस्ती महंगी किताबें खरीदने के लिए मजबूर करने का मामला हो या फिर तय की गई दुकानों से ही घटिया क्वालिटी की ड्रेस ज्यादा कीमत पर खरीदने का दबाव हो, ऐसा लगता है कि इनपर कोई कानून या नियम लागू नहीं होता है।

प्राइवेट स्कूलों की लॉबी इतनी ज्यादा मजबूत हो गई है कि अब इन्हें सरकारों का भी कोई भय नहीं रहा है। शुक्रवार को दिल्ली के एक नामी-गिरामी स्कूल से ऐसी खबर आई जिसने सबको स्तब्ध कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली के एक बड़े स्कूल ने तो बच्चों को ही बंधक बना लिया था। बताया जा रहा है कि दिल्ली के एक बड़े स्कूल में फीस बढ़ोतरी को लेकर वहां पढ़ने वाले बच्चों के अभिवावक प्रदर्शन कर रहे थे और इस बीच स्कूल के प्रबंधकों ने कुछ बच्चों को लाइब्रेरी में बंधक बना लिया। एक न्यूज चैनल ने तो यहां तक दावा किया है कि बच्चों को लाइब्रेरी में बंद करने के मामले की जांच साउथ वेस्ट डीएम लक्ष्य सिंहल ने की और उन्होंने यह भी माना कि जब वे जांच करने स्कूल पहुंचे तो उन्होंने खुद बच्चों को लाइब्रेरी में बैठे हुए पाया। डीएम ने जांच की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को भेज दी है। उम्मीद करते हैं कि दिल्ली की बीजेपी सरकार इस स्कूल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए एक उदाहरण सेट करेगी ताकि भविष्य में कोई भी स्कूल इस तरह की हरकत करने के बारे में सोच भी नहीं सके।

दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूलों के बाहर मनमानी फीस बढ़ोतरी के खिलाफ अभिवावक प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहीं वसंतकुंज स्थित एक प्राइवेट स्कूल ने तो अभिभावकों के स्कूल परिसर में आने पर प्रतिबंध तक लगा दिया है। सही मायनों में कहा जाए तो यह स्कूलों की तानाशाही है और इस देश की सरकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कई तरह के सवाल खड़े करती है।

देश की राजधानी दिल्ली में 1700 के लगभग प्राइवेट स्कूल हैं। इनमें सरकारी जमीन पर बने प्राइवेट स्कूल 448 हैं। सरकार द्वारा बनाए गए नियम के हिसाब से सभी स्कूलों को हर साल फाइनेंशियल स्टेटमेंट देना जरूरी होता है। अगर शिक्षा निदेशालय को फीस बढ़ोतरी गलत लगती है, तो वो इसे रोक सकती है और स्कूल को बढ़ी हुई फीस अभिवावकों को वापस देनी होगी।

लेकिन सरकार चुप है, अधिकारी अपना काम नहीं कर रहे हैं और इसका नतीजा स्कूलों की मनमानी के रूप में सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि दिल्ली के कई प्राइवेट स्कूलों ने 10 प्रतिशत से लेकर 30 प्रतिशत तक फीस बढ़ा दी है। ये स्कूल ट्यूशन फीस, डिवेलपमेंट फीस, ट्रांसपोर्ट फीस के अलावा ओरिएंटेशन फीस, एसी, स्कूल ऐप और स्मार्ट क्लास के नाम पर भी तगड़ी वसूली कर रहे हैं।

दिल्ली की बीजेपी सरकार के लिए यह एक बड़ी चुनौती से कम नहीं है। क्योंकि उनकी सरकार बनने के बाद शुरू हुए स्कूलों के नए सत्र में ही यह फीस बढ़ोतरी की गई है। ऐसे में स्वाभाविक तौर पर दिल्ली के लोगों को यह लगने लगा है कि भाजपा की सरकार बनने के बाद ही दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों के मालिकों में मनमानी करने की हिम्मत आ गई है। यह बात अगर दिल्लीवासियों के मन में बैठ गई तो फिर बीजेपी के लिए मुश्किलें खड़ी हो जाएगी। आम आदमी पार्टी इसे एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाने की कोशिश लगातार कर रही है। समय की यह मांग है कि सरकार आगे आए और इन प्राइवेट स्कूलों की दादागिरी, मनमानी और तानाशाही भरे रवैए पर रोक लगाए या फिर कड़ी कार्रवाई करें। हालांकि यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि प्राइवेट स्कूलों की यह मनमानी किसी एक शहर या किसी एक राज्य तक ही सीमित भर नहीं है।

आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें

किशन सनमुखदास भावनानी

वै श्विक स्तरपर आज हर देश पर्यावरण समस्याओं का सामना कर रहा है जिसका समाधान खोजने उसपर अमल करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभी देश एकत्रित होकर पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दों पर अनेक उपायों की चर्चा कर उसके क्रियान्वयन करने में लगे हुए हैं जिसमें पेरिस समझौता सहित अनेक ऐसे समझौते शामिल हैं जो मानवीय जीवन को पर्यावरण के खतरों से बचाने के लिए मील का पत्थर साबित होंगे।

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो भारत न केवल हर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से पर्यावरण की सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान और सहयोग प्रदान कर रहा है बल्कि घरेलू स्तरपर भी अनेक लक्ष्यों को भी अपने टारगेट समय से पूर्व पूर्ण करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्तरपर पर्यावरण की सुरक्षा के लिए अनेक सामाजिक, सरकारी, सरकारी, निजी संस्थाएं कार्य कर रही है परंतु अगर वास्तव में हमें पर्यावरण को सुरक्षित करना है तो हर नागरिक को इस पर्यावरण सुरक्षा संबंधी यज्ञ में अपने सहयोग रूपी आहुति देनी होगी और अभियान चलाकर, आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें!! का नारा देना होगा! मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा तथा अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी ऐसी सोच रखनी होगी।

साथियों बात अगर माननीय केंद्रीय रक्षा मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी, विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकीयों को खोजने तथा ऐसे नवोन्मेषण करने की अपील की जो पर्यावरण के अनूकूल मूल्यों को बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा, हमें प्रकृति का साथी बन जाना चाहिए तथा जीवों के साथ साथ प्रकृति के निर्जीव तत्वों के प्रति भी श्रद्धा और सम्मान की भावना रखनी चाहिए। मुझे पूरा विश्वास है कि धीरे धीरे मानव सभ्यता हमारे समय की पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर करेगी तथा हम सभी के लिए एक खुशहाल, समृद्ध, न्यायसंगत तथा टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी।

उन्होंने पर्यावरण के क्षरण पर चिंता जताई और कहा कि पृथ्वी के इकोसिस्टम का निर्माण इस तरह से किया गया है कि किसी एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में प्रभाव केवल उसी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह पूरे विश्व को सन्निहित कर लेता है। उन्होंने कहा, उदाहरण के लिए हमारे सामने कार्बन उत्सर्जन का मामला है। भले ही यह एक देश में हो रहा हो, निश्चित रूप से यह अन्य सभी देशों को प्रभावित कर रहा है। यही कारण है कि वैश्विक पर्यावरण सुरक्षा के संबंध में, सभी शिखर सम्मेलन, सम्मेलन, संधियां तथा समझौते, चाहे वह रियो समिट हो या डेजर्टिफिकेशन से मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, जलवायु परिवर्तन कन्वेंशन, क्योटो प्रोटोकॉल या पेरिस सम्मेलन, वे सभी समान रूप से एक सुर में कार्य करने के लिए विश्व के सभी देशों का मार्गदर्शन करते हैं। एक जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में, भारत ने अपनी परंपरा और संस्कृति से निर्देशित होकर निरंतर मृदा संरक्षण क लिए कार्य किया है। केवल मिट्टी पर ध्यान केंद्रित करने के जरिये मृदा संरक्षण नहीं किया जा सकता। हमने इससे जुड़े सभी घटकों जैसे वनीकरण, वन्य जीवन, आर्द्र भूमि आदि को संरक्षित करने और बढ़ाने का कार्य किया है। केवल सामूहिक प्रयासों से ही सामूहिक समस्याओं का निदान संभव होगा। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम सभी मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करने का प्रयास करें और एक साथ मिल कर एक बेहतर विश्व की ओर बढ़ें।

उन्होंने मिट्टी बचाओ अभियान को उम्मीद की किरण बताया क्योंकि इससे यह विश्वास पैदा होता है कि इस अभियान के माध्यम से विश्व भर के लोग आने वाले समय में मृदा के स्वास्थ्य को बनाये रखने में योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल मिट्टी की रक्षा करने बल्कि मानव सभ्यता एवं संस्कृति को संरक्षित करने का भी एक प्रयास है।

उन्होंने पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने के लिए प्रेरित करने के अतिरिक्त लोगों को योग के माध्यम से अधिक प्रसन्नचित्त तथा अधिक सार्थक जीवन जीवन जीना सिखाने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए उनकी सराहना की। उन्होंने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश देकर भारत ने अपनी सीमा के भीतर रहने वाले लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लोगों को अपना परिवार माना है। श्री सद्गुरु ने अपने काम से निश्चित रूप से एक नया पर्यावरण आंदोलन पैदा करने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जीवंत बनाया है। उन्होंने कहा, वह मिट्टी बचाओ जैसे अभियानों तथा अध्यात्मिकता के माध्यम से दिव्य संदेश दे रहे हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ मिट्टी और पर्यावरण की रक्षा करें। मानव को प्रकृति का साथी बनना होगा। अनुकूल मानवीय सभ्यता पर्यावरण संबंधित समस्याओं को दूर कर खुशहाल समृद्धि टिकाऊ भविष्य का निर्माण करेगी सराहनीय सोच है।

(-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

नाबालिग की चाकू घोपकर हत्या, तीन नाबालिग पकड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण पूर्वी जिले के गोविंदपुरी इलाके में शनिवार देर रात एक 17 वर्षीय नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतक की पहचान कृष के रूप में हुई है। गोविंदपुरी थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज कर तीन नाबालिग को पकड़ा। पूछताछ में नाबालिगों ने खुलासा किया कि मृतक उनके साथ स्कूल में पढ़ता था। वह छोटी-छोटी बातों पर उनकी पिटाई करता था। उसने उन्हें धमकी दी थी कि वह उन्हें और उनके परिवारों को नुकसान पहुंचाएगा। मार पिटाई से तंग आकर तीनों नाबालिगों ने मृतक को सबक सीखने की योजना बनाई। बीती रात उसे बात करने के लिए बुलाया और उसके ऊपर चाकू से हमला किया। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि कृष परिवार के साथ भूमिहीन कैंप में रहते थे। परिवार में पिता, मां व एक छोटी बहन है। कुछ समय पहले ही कृष ने स्कूल छोड़ा था। वह बदरपुर, सीमेंट की दुकान में काम कर रहा था। डीसीपी के मुताबिक शनिवार रात 9:45 बजे सूचना मिली कि गोविंदपुरी इलाके में एक नाबालिग को चाकू मार दिया है। खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया है।

गोविंदपुरी में स्कूली रंजिश बना जानलेवा, तीन नाबालिगों ने की किशोर की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में स्कूली प्रतिद्वंद्विता से उपजी पुरानी दुश्मनी के चलते तीन किशोरों ने शनिवार रात कथित तौर पर चाकू घोंपकर 17 वर्षीय लड़के की हत्या कर दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। पुलिस ने जांच के बाद तीनों किशोरों को हिरासत में ले लिया है सभी की उम्र लगभग 16 साल है। पुलिस ने बताया कि घटना शनिवार रात करीब 8:30 बजे हुई जब पीड़ित ने तीनों को पुराने मुद्दों को सुलझाने के लिए बुलाया था, लेकिन इस दौरान झगड़ा बढ़ गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में से एक ने पीड़ित का गला घोंट दिया, जबकि अन्य दो ने उसके पेट और गर्दन पर कई बार चाकू से वार किए। पुलिस ने रविवार को एक बयान में कहा कि पीड़ित को पहले पास के अस्पताल ले जाया गया और बाद में एम्स ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। छात्र के पिता केरल में एक निर्माण मजदूर हैं और मां इलाके में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती हैं। रात 9:45 बजे पुलिस नियंत्रण कक्ष (PCR) को कॉल करके घटना की सूचना दी गई। पुलिस ने बताया कि गोविंदपुरी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच के दौरान तीनों आरोपियों की पहचान करके उन्हें पकड़ लिया गया। आरोपियों में से दो छात्र हैं, जबकि एक ने पांचवीं कक्षा के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी। पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों की पीड़ित से रंजिश थी, जिसने कथित तौर पर पिछले दिनों उन पर हमला किया था। आरोपियों ने यह दावा भी किया कि पीड़ित ने उन्हें और उनके परिवारों को धमकियां दी थीं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने हत्या में कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए दो चाकू बरामद किए हैं और जांच जारी है।

एसओएल के छात्रों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग की बीए प्रोग्राम कोर्स की कक्षाएं रविवार को समाप्त हो गई। छात्रों ने बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इन छात्रों के संगठन क्रांतिकारी युवा संगठन (केवाईएस) ने एसओएल के छात्रों के साथ मिलकर डीयू आर्ट्स फैकल्टी पर विरोध प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना था कि उनका पाठ्यक्रम पूरा हो गया है लेकिन उन्हें पूरा स्टडी मटेरियल भी नहीं मिला है। ऐसे में अगले महीने से शुरू होने वाली परीक्षा में छात्रों के बड़ी संख्या में फेल होने की आशंका है। संगठन का आरोप है कि पहले की तरह इस सेमेस्टर में भी छात्रों को केवल 10 से 15 कक्षाएं ही दी गई हैं, जो सिलेबस पूरा करने के लिए काफी नहीं हैं। यह कक्षाएं छात्रों की समझ बढ़ाने और उनके संदेहों को दूर करने के लिए बेहद जरूरी होती हैं। इतनी कम कक्षाओं के चलते छात्रों के लिए सिलेबस को अच्छी तरह से समझ पाना बेहद कठिन है, जिससे वे परीक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हो पाएंगे। केवाईएस ने एसओएल छात्रों की कक्षाओं की संख्या बढ़ाने की मांग की है ताकि छात्रों के पास पूरा सिलेबस समझने और परीक्षा की तैयारी करने के लिए पर्याप्त समय हो।

आईपीयू के अठारह सीईटी आधारित प्रोग्राम में अब 18 अप्रैल तक आवेदन का अवसर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपी यूनिवर्सिटी के अठारह सीईटी आधारित प्रोग्राम में दाख़िले के लिए अब 18 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। पहले इन प्रोग्राम में आवेदन की अंतिम तिथि 11 अप्रैल थी। इच्छुक आवेदकों की मांग पर आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। ये प्रोग्राम हैं- मास्टर ऑफ़ फिजियोथेरेपी, बी.कॉम(ऑनर्स, एमएस(पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, एमए(मास कम्युनिकेशन), बीए (जेएमसी), एम. टेक(रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन) रेगुलर, एमएससी(मेडिसिनल केमिस्ट्री एंड ड्रग डिज़ाइन), बीबीए एंड अलाइड प्रोग्राम्स/ बीबीए-एमबीए इंटीग्रेटेड, बीसीए, लेटरल एंट्री टू बी. टेक(डिप्लोमा धारकों के लिए), चार वर्षीय बीए इन इंग्लिश, एमएड, पारा-मेडिकल प्रोग्राम्स, एमएस(एनवायरनमेंट मैनेजमेंट), पीजी इन एप्लाइड जियो-इंफ़ॉर्मैटिक्स, एमपीएच(एफई), एमएससी (मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स), एमएससी (माइक्रोबायोलॉजी)। आईपी यूनिवर्सिटी ने नए सत्र में यूजी, पीजी और पीएचडी के दाखिले से संबंधित समस्याओं के निवारण के लिए सात-सदस्यीय उच्च स्तरीय कमिटी का गठन भी किया है। यूनिवर्सिटी के अकादमिक मामलों के निदेशक के नेतृत्व में यह कमिटी आवेदकों के ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आए गंभीर समस्यायों का तत्काल निवारण करेगी। नए सत्र के दाखिले में आवेदकों को किसी तरह की असुविधा न हो यूनिवर्सिटी इसका पूरा ख्याल रख रही है। आवेदकों की सहूलियत के लिए यूनिवर्सिटी ने पहले से ही दाख़िले के लिए चैट बॉट और क्यू आर कोड की सुविधा दे रखी है।

दिल्ली में अंबेडकर जयंती पर मैराथन का आयोजन, सीएम रेखा गुप्ता ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को भव्य तरीके से मनाने की तैयारियों में जुटी है। इस अवसर पर दिल्ली सरकार ने रविवार को एक मैराथन का आयोजन किया, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। इस दौड़ को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा, 'दिल्ली सरकार बाबा साहब के दिखाए रास्ते पर चलने और उनके सिद्धांतों को आत्मसात करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बाबा साहब ने हमें सम्मान के साथ जीना सिखाया और समानता का पाठ पढ़ाया। आज का यह आयोजन उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि है।'

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को उसका हक मिले और समाज में समानता व न्याय का माहौल बने। बाबा साहब केवल कहने की नहीं, बल्कि जीने की शख्सियत थे। हमें उन्हें न केवल याद करना है, बल्कि अपने कार्यों के माध्यम से उनके आदर्शों को जीना है।

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा, 'अंबेडकर जयंती का यह आयोजन युवाओं को बाबा साहब के विचारों से जोड़ने का एक शानदार अवसर है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को हम भूल नहीं सकते। दिल्ली सरकार शिक्षा के माध्यम से उनके सपनों को साकार करने के लिए कटिबद्ध है।÷

मैराथन में शामिल सैकड़ों स्कूली बच्चों और युवाओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया, जिससे आयोजन में एक अलग ही जोश देखने को मिला।

मैराथन में प्रतिभागियों ने बाबा साहब के सम्मान में नारे लगाए और उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। आयोजन में शामिल लोगों ने इसे एक प्रेरणादायक अनुभव बताया। एक प्रतिभागी, रमेश कुमार, ने कहा, 'यह दौड़ सिर्फ शारीरिक नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता की दौड़ थी। बाबा साहब के विचार आज भी हमें प्रेरित करते हैं।'

दिल्ली सरकार ने इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया है, जिसमें नाटक, संगीत और भाषण प्रतियोगिताएं शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बाबा साहब के जीवन और उनके योगदान को युवा पीढ़ी तक पहुंचाना है।

डॉ. अंबेडकर केवल किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष के नायक : आशीष सूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती की पूर्व संध्या पर दिल्ली सरकार ने एक विशेष मैराथन का आयोजन किया। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सामाजिक न्याय और संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूती से निभा रही है।

उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज को यह संदेश देना है कि डॉ. अंबेडकर केवल किसी एक वर्ग के नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष के नायक हैं। उन्होंने कहा, विभिन्न राज्यों की राजधानी में अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दिल्ली में भी यह मैराथन सामाजिक न्याय के प्रतीक और संविधान के निर्माता डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित की गई। सूद ने बताया कि मैराथन 2.9 किलोमीटर की होगी, जिसमें दो शिक्षक इसे लीड करेंगे और बाकी प्रतिभागी उनके पीछे कदम से कदम मिलाकर चलेंगे।

आशीष सूद ने कहा, 'डॉ. अंबेडकर हमारे लिए संविधान के निर्माता और जननायक हैं। उन्होंने समाज को एकजुट करने, पिछड़े वर्गों को आगे लाने और देश को जागरूक करने का ऐतिहासिक कार्य किया। देश उनका हमेशा ऋणी रहेगा।'

उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोगों ने संविधान की धज्जियां उड़ाईं और श्रद्धा के केंद्रों का बाजारीकरण किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा सरकार अंबेडकर के प्रति अपनी श्रद्धा को समय-समय पर व्यक्त करती रहेगी और समाज को इसमें शामिल करेगी।

सूद ने यह भी कहा कि अंबेडकर जयंती का यह आयोजन न केवल उनकी शिक्षाओं को याद करने का अवसर है, बल्कि समाज में उनके विचारों को फैलाने का भी मौका है। उन्होंने बताया कि पंच तीर्थों की स्थापना जैसे कदम भाजपा सरकार की सामाजिक न्याय को लेकर प्रतिबद्धता दर्शाते हैं। मैराथन के माध्यम से युवाओं और बच्चों को बाबा साहेब के जीवन और योगदान से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया।

सूद ने कहा, 'डॉ. अंबेडकर को न केवल संविधान का जनक माना जाता है, बल्कि वे एक महान अर्थशास्त्री, समाज सुधारक, लेखक और राजनीतिज्ञ भी थे। उन्होंने शिक्षा को समाज के विकास का आधार माना और यह विश्वास जताया कि उत्तम परिणाम के लिए उत्तम प्रयास आवश्यक हैं। इस अवसर पर उपस्थित लोगों से अपील की गई कि वे अंबेडकर के विचारों को अपनाएं और समाज में समानता व न्याय के लिए कार्य करें।'

हेल्थ टूरिज्म से चिकित्सा सुविधाओं में होगा सुधार, आर्थिक तौर पर दिल्ली होगी मजबूत: सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर गंगा राम अस्पताल ने अपने 70वें स्थापना दिवस समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मंच से सीएम ने चिकित्सा सुविधाओं को लेकर अपनी सरकार की प्राथमिकताएं बताईं और खासतौर पर 'हेल्थ टूरिज्म' का जिक्र किया।

सीएम रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा, ÷जब मैं सर गंगा राम अस्पताल को देखती हूं, तो पूरे विश्वास के साथ कह सकती हूं कि यह एकमात्र ऐसा अस्पताल है, जिसके खिलाफ कभी कोई शिकायत नहीं आई। यहां किसी ने कभी नहीं कहा कि उनके साथ ग्राहक जैसा व्यवहार किया गया। हर व्यक्ति को मरीज के रूप में देखा जाता है, न कि राजस्व स्रोत के रूप में। इसके लिए मैं गंगा राम की पूरी टीम को तहे दिल से बधाई देती हूं।'

सीएम रेखा गुप्ता ने सर गंगा राम अस्पताल की देशव्यापी पहचान पर गर्व जताया और कहा,

'आज यह अस्पताल पूरे देश में अपनी साख रखता है। लेकिन मुझे अफसोस है कि पिछली सरकारों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उतना काम नहीं किया, जितना होना चाहिए था। कोविड महामारी के दौरान कई लोगों ने बिना इलाज के अपनी जान गंवाई, और उस समय राज्य सरकारों की निष्क्रियता सामने आई थी।'

उन्होंने हेल्थ टूरिज्म को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, 'मैं चाहती हूं कि दिल्ली को इतना सशक्त बनाया जाए कि विश्वभर के लोग यहां इलाज के लिए आएं। स्वास्थ्य पर्यटन से न केवल चिकित्सा सेवाएं मजबूत होंगी, बल्कि आर्थिक क्षेत्र को भी बल मिलेगा।'

गुप्ता ने दिल्ली सरकार की ओर से अस्पतालों को सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सर गंगा राम जैसे संस्थान दिल्ली सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे। हम जमीन उपलब्ध कराएंगे ताकि हर व्यक्ति को बेहतर इलाज मिल सके। समाज को ऐसे संस्थानों की जरूरत है, जो स्वास्थ्य सेवा को सेवा का माध्यम मानकर काम करें।

सीएम रेखा गुप्ता ने जनता से अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, 'सुबह जब मैं पब्लिक डीलिंग करती हूं, तो हजारों लोग इलाज के लिए मदद मांगने आते हैं। उनकी आंखों में आंसू देखकर दुख होता है। लेकिन मैं वादा करती हूं कि अब ऐसा नहीं होगा। दिल्ली का समय बदलेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर काम किया जाएगा।'

वीरेन्द्र सचदेवा ने अपनी जन्म स्थली काली मस्जिद में बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा का किया अनावरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के जयंति से एक दिन पूर्व भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग एवं दुष्यंत कुमार गौतम की उपस्थिति में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने सीताराम बाजार वार्ड स्तिथ काली मस्जिद डीडीए फ्लैट्स में 'रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा स्थापित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया।

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुघ एवं दुष्यंत गौतम ने उपस्थित जनों को बाबा साहेब के विचारों और उनके योगदान को स्मरण कराते हुए उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प दिलाया और कहा की बाबा साहेब के स्मरण मात्र से हम में समाजिक चेतना आती है।

श्री सचदेवा ने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनसे स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की और फिर अपने पैतृक स्थल जहां उनका जन्म हुआ, वहां भी जाकर समय बिताया और अपने पुराने दिनों को याद किया। वीरेन्द्र सचदेवा ने इस मौके पर कहा कि एक राजनीतिक कार्यकर्ता होते हुए मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैंने अपने जन्म स्थल पर एक ऐसे महान व्यक्ति की प्रतिमा का अनावरण किया है जो समाजिक न्याय और एकता के प्रतिक हैं।

श्री सचदेवा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर सिर्फ संविधान निर्माता नहीं थे, बल्कि वे सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान के प्रतीक हैं। यह प्रतिमा हमें हमेशा याद दिलाती रहेगी कि एक बेहतर और समावेशी समाज की नींव उच्च विचारों और संघर्ष से पड़ती है। हम उनके दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पहल न

केवल श्रद्धांजलि है, बल्कि समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास भी है – जहां हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान मिले।

इस मौके पर एसोसिएशन अध्यक्ष नरेश कुमार, पूर्व विधायक राजकुमार आनंद, पूर्व पार्षद राकेश कुमार, प्रदेश भाजपा के सह-कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी और स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मंजीत महाल गिरोह का शूटर गिरफ्तार, अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कुख्यात गैंगस्टर मंजीत महाल गिरोह के सक्रिय शूटर दिनेश उर्फ राजेश उर्फ मोगली को गिरफ्तार किया है। मंजीत लंबे समय से कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू और नवीन खाती गिरोह के साथ वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहा था। इन गिरोहों के बीच गैंगवार में कई अपराधी मारे जा चुके हैं। उसके पास से अमेरिका की अत्याधुनिक 9 एमएम बेरेटा पिस्तौल, 13 कारतूस, तीन खाली खोल और अन्य अवैध हथियार बरामद हुए हैं।

डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक, दिनेश जाफरपुर कलां के दरियापुर खुर्द गांव का रहने वाला है। मंजीत महल ब्रिटेन के गैंगस्टर कपिल सांगवान का कट्टर प्रतिद्वंद्वी है। दिनेश नजफगढ़ और द्वारका इलाके में अपने गिरोह का दबदबा बढ़ाने के लिए ऐसे विदेशी हथियार रखता था। पश्चिमी दिल्ली में हाल ही में हुई गोलीबारी की घटनाओं के बाद मंजीत महल के गिरोह के सदस्यों सहित विभिन्न गैंगस्टरों की गतिविधियों ने पुलिस को सतर्क कर दिया है।

हेड कांस्टेबल संदीप कादियान को सूचना मिली कि कुख्यात मंजीत महल गिरोह के एक गैंगस्टर ने नजफगढ़ और द्वारका इलाके में अपने गिरोह का दबदबा स्थापित करने के लिए हिंसक अपराधों को अंजाम देकर सुर्खियां बटोरने के इरादे से अवैध अत्याधुनिक हथियार खरीदे हैं। एसीपी रविन्द्र कुमार राजपूत और इंस्पेक्टर अक्षय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कई स्थानों पर छापेमारी कर दिनेश को 9 एमएम बेरेटा पिस्तौल के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस का कहना है कि 11वीं कक्षा में पढ़ते समय दिनेश मंजीत महल गिरोह के बदमाश रविंद्र उर्फ भोलू के संपर्क में आया था। निजी रंजिश के चलते उसे कुछ समय बाद अपना गांव छोड़ना पड़ा था। इसके बाद वह रविंद्र के साथ मितराऊं गांव में रहने लगा था। नए साल 2015 की पूर्व संध्या पर उसने रविंद्र भोलू के साथ मिलकर अपने विरोधी नवीन खाती गिरोह के चार बदमाशों की गोली मारकर हत्या कर दी थी और शवों को बहादुरगढ़ के पास इस्सरहेड़ी गांव के सुनसान जंगल में ले जाकर जला दिया था। पुलिस ने उस मामले में दिनेश को गिरफ्तार किया था।

सात साल बाद वह जमानत पर बाहर आया और फिर से आपराधिक वारदातों को अंजाम देने लगा। बहादुरगढ़ और दिल्ली में उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह हरियाणा के राजेश सरकारी गिरोह के लिए भी काम कर रहा था। वह अपने गिरोह का प्रभाव बढ़ाना चाहता था। वह हिंसक वारदातों को अंजाम देने के लिए मंजीत महल से निर्देश मिलने का इंतजार कर रहा था।

भगवान महावीर स्वामी के महामस्तकाभिषेक महोत्सव का भव्य आयोजन सम्पन्न : मनोज जैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के ऐतिहासिक नगर महरौली स्थित अहिंसा स्थल पर जैन स्मारक एवं जिनालय में भगवान महावीर स्वामी की विशाल प्रतिमा के 24 वर्षों पश्चात महामस्तकाभिषेक का पावन आयोजन वीर प्रभु के जन्मकल्याणक के शुभ अवसर पर अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। इस दिव्य आयोजन में मुनि श्री 108 प्रणयम सागर जी महाराज की पावन उपस्थिति और आशीर्वाद ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। सकल जैन समाज की भागीदारी ने इस महोत्सव को और भी विशेष एवं अविस्मरणीय बना दिया। मनोनीत निगम पार्षद मनोज कुमार जैन ने कार्यक्रम में भाग लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए कहा 卐अहिंसा स्थल, महरौली में भगवान महावीर स्वामी के महामस्तकाभिषेक महोत्सव में भाग लेकर दिव्यता, शांति और आशीर्वाद की अनुपम अनुभूति हुई। यह आयोजन अविस्मरणीय रहा। राकेश जैन, प्रदीप जैन, अवनीश जैन एवं समस्त समिति का मनोज जैन ने आभार व्यक्त किया। धर्मस्थल के धर्माधिकारी परम श्रद्धेय डॉ. वीरेंद्र हेगड़े जी सहित अनेक गणमान्य अतिथि, श्रद्धालु एवं समाज के प्रमुखजन इस आयोजन का हिस्सा बने।

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 देश के संविधान के विरुद्ध और बहुसंख्यकों के वर्चस्व का प्रतीक, अंत तक संघर्ष की घोषणा

-जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने भारत सरकार से मांग की कि वह तत्काल इस कानून को वापस ले और शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शनों को न रोके

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति की एक अत्यंत महत्वपूर्ण सभा आज नई दिल्ली के आईटीओ स्थित मदनी हॉल में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें वक्फ संशोधन अधिनियम 2025, उत्तराखंड में मदरसों के विरुद्ध सरकारी कार्रवाई, समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन और फिलिस्तीन में नरसंहार जैसे वर्तमान समय के ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई और महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके साथ ही नए सदस्यता अभियान की तिथि में भी विस्तार किया गया। कार्यकारी समिति की सभा में जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति के सदस्यों और देश भर से विशेष आमंत्रित लोगों ने भाग लिया और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

सभा में विशेष रूप से वक्फ संशोधन अधिनियम की कमियों और इसके पीछे के उद्देश्यों पर घंटों चर्चा हुई। सबसे पहले वक्फ की सुरक्षा को लेकर जमीअत उलमा-ए-हिंद के संघर्ष पर आधारित रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इसके बाद जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने इस कानून पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारा मानना है कि यह कानून देश के संवैधानिक ढांचे के खिलाफ है और भारत के संविधान के विरुद्ध है, जो बहुसंख्यकों का वर्चस्व स्थापित करने के लिए लाया गया है। यह सिर्फ कानूनी मुद्दा नहीं बल्कि न्याय और सिद्धांत का मामला है। हमने इस तरह के उत्पीड़न और अन्याय के खिलाफ पहले भी लड़ाई लड़ी है और हम भविष्य में भी लड़ेंगे। इस देश की बुनियाद जिन सिद्धांतों पर रखी गई थी, वह समानता, न्याय और स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं। ऐसा महसूस होता है कि आज इन बुनियादों को हिलाने का प्रयास किया जा रहा है। मैं चाहता हूं कि मेरे यह शब्द न केवल सुने जाएं, बल्कि महसूस भी किए जाएं। यह मेरे समुदाय की पीड़ा और भावनाओं की अभिव्यक्ति है। उम्मीद है कि देश का नेतृत्व, मीडिया और आम जनता इस आवाज को सुनेंगे और इस पर गंभीरता से विचार करेंगे।

इस अवसर पर जमीअत उलमा-ए-हिंद की कार्यकारी समिति ने वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि यह अधिनियम भारतीय संविधान के कई अनुच्छेदों 14, 15, 21, 25, 26, 29 और 300-ए के विरुद्ध है। इसका सबसे नुकसानदायक पहलू %वक्फ बाय यूजर% की समाप्ति है, जिससे ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, उनकी संख्या चार लाख से अधिक है। केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों को शामिल करना, धार्मिक मामलों में खुला हस्तक्षेप और अनुच्छेद 26 का स्पष्ट उल्लंघन है। यह कानून बहुसंख्यकों के वर्चस्व का प्रतीक है, जिसका हम कठोरता से विरोध करते हैं।

कार्यकारी समिति यह स्पष्ट करती है कि वर्तमान सरकार संविधान की भावना और संवैधानिक समझौते का उल्लंघन कर रही है। एक पूरे समुदाय को हाशिए पर डालने, उनकी पहचान मिटाने और उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सभा सरकार से मांग करती है कि वक्फ अधिनियम 2025 को

तुरंत वापस लिया जाए। वक्फ इस्लामी कानून का एक मौलिक हिस्सा है और एक धार्मिक इबादत है। इसमें ऐसा कोई भी संशोधन स्वीकार्य नहीं है जो इसके धार्मिक चरित्र और शरई आधार को प्रभावित करे। संशोधन केवल प्रशासनिक सुधार के लिए होने चाहिए।

कार्यकारी समिति सरकार और विपक्ष के भ्रामक बयानों की निंदा करती है तथा मीडिया में फैलाए जा रहे दुष्प्रचार के खिलाफ सही स्थिति प्रस्तुत करने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। यह भी स्पष्ट किया गया कि शांतिपूर्ण विरोध एक संवैधानिक अधिकार है। विरोध प्रदर्शनों को रोकना, कानूनी कार्रवाई करना या हिंसा का सहारा लेना निंदनीय है, जबकि विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा का सहारा लेना भी निराशाजनक है। ऐसे तत्व वक्फ आंदोलन को कमजोर कर रहे हैं।

पटना में आंधी-तूफान से टूटे बिजली के तार उखड़े पोल, दो सौ गांवों की लाइट गुल

-आज भी मौसम विभाग ने जारी किया आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट

पटना (एजेंसी)। बिहार के 24 जिलों में रविवार को आंधी-बारिश और आकाशीय बिजली का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने पटना के अलावा उत्तर और पूर्वी बिहार के कई जिलों में तेज आंधी और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, प्रदेश के 13 जिलों में मौसम सामान्य रहने की संभावना जताई है। शनिवार रात बेगूसराय में आंधी-तूफान में मंझौल-बखरी लाइन का टावर टूटकर गिर गया। इससे दोनों अनुमंडल के करीब 200 गांवों में बिजली गुल हो गई लोगों को अंधेरे में रात गुजानी पड़ी। अन्य जगहों पर भी बिजली के तार और पोलों को भारी नुकसान हुआ है। नालंदा में देर रात मौसम का मिजाज बदला और तेज आंधी के साथ बारिश हुई। आकाशीय बिजली के साथ ओले भी गिरे हैं। रोहतास में एक महिला की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। पटना मौसम विभाग के मुताबिक प्री-मानसून सीजन में इस तरह मौसम में बदलाव होता है। ऐसा नहीं है कि ये बदलाव अचानक हुआ है। मौसम विभाग ने पहले पूर्वानुमान लगाया था कि इस तरह का मौसम अगले 4 दिनों तक देखने को मिलेगा। रविवार को कुछ जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई है। उत्तर बिहार, पूर्वी बिहार और पश्चिमी बिहार के अलग-अलग इलाकों में इसको लेकर अलर्ट जारी किया है। आकाशीय बिजली गिरने के मामले में बिहार दूसरे नंबर पर है। बिहार के अलावा दूसरे राज्यों में भी बिजली गिरती है, लेकिन यहां मौतें ज्यादा होती है।

हिंसा पूरे देश में हुई, केवल बंगाल में नहीं, इसके लिए केंद्र जिम्मेदार : मित्रा

कोलकाता (एजेंसी)। मुर्शिदाबाद हिंसा पर टीएमसी नेता मदन मित्रा ने कहा कि यह हिंसा पूरे देश में हुई, केवल बंगाल में नहीं। इस स्थिति के लिए केंद्र जिम्मेदार है। केंद्र ने वक्फ कानून को जबरन लागू किया है। देश में हुई सभी हिंसा के लिए पीएम मोदी, अमित शाह और सीएम योगी जिम्मेदार होंगे। मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन से जुड़ी झड़पों के बाद तीन लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की ओर से घोषणा की गई कि राज्य में वक्फ संशोधन लागू नहीं किया जाएगा। सुती और शमशेरगंज जैसे इलाकों में बढ़ती अशांति के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने प्रभावित क्षेत्रों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति सौमेन सेन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा कि जब ऐसे हालात पैदा हो जाते हैं तो अदालत अपनी आंखें नहीं मूंद सकती। अदालत ने आम लोगों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने की जरुरत पर बल दिया।

बक्सर में शराब माफियाओं का दुस्साहस, पुलिस पर की फायरिंग, दो गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार में कानून व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। ताजा मामला बक्सर जिले का है, जहां शराब माफियाओं ने उत्पाद विभाग की टीम पर फायरिंग कर दी। इस हमले में पुलिस टीम बाल-बाल बच गई, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर साफ कर दिया कि बिहार में अपराधी निडर हो चुके हैं। जानकारी अनुसार घटना शनिवार तड़के होना बताई गई है, जबकि उत्पाद विभाग की टीम को सूचना मिली कि उत्तर प्रदेश से नाव के जरिए शराब की बड़ी खेप राजघाट पहुंच रही है। सूचना पर जब टीम कार्रवाई के लिए पहुंची तो माफियाओं ने उन्हें देखते ही अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। शराब तस्करों ने गोलियां बरसानी शुरु की तो पुलिस टीम भी अपनी जान बचाने के लिए यहां-वहां भागती नजर आई। बावजूद इसके पुलिस ने घटनास्थल से दो बोरे शराब और एक मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। इस घटना की जानकारी लगते ही टाउन थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूत्रों की मदद से चार आरोपियों की पहचान की गई है। अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया है, बाकी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

जूते में छिपा रखा था करोड़ों का सोना, कस्टम अधिकारियों ने पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक यात्री के जूतों से करीब 6.3 करोड़ मूल्य का सोना मिला है। मामले की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि जांच में सोना बरामद होने के बाद यात्री को हिरासत में ले लिया गया है। इसके साथ ही सोना तस्करी से जुड़े एक संभावित खरीददार को भी गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीआरआई के अधिकारियों को इस बात की खुफिया जानकारी मिली थी। डीआरआई के अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर बैंकॉक से आ रहे एक यात्री को रोका। उसकी तलाशी लेने पर उसके जूतों में 6.7 किलोग्राम सोना बरामद किया गया। अधिकारियों के मुताबिक इस सोने की कीमत करीब 6.3 करोड़ आंकी गई है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल शख्स से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही इस सोने का वह क्या करने वाला था.. क्या वह पहले भी ऐसी तस्करी कर चुका है इस बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है।

बीजेपी नेता कालिया के घर हथगोला फेंकने का आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

जालंधर (एजेंसी)। पंजाब में बीजेपी नेता मनोरंजन कालिया के आवास पर हुए हथगोला विस्फोट मामले के मुख्य आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस के शीर्ष अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों और दिल्ली पुलिस की मदद से मुख्य आरोपी को पकड़ा गया है जो यूपी के अमरोहा का रहने वाला है। डीजीपी ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि जालंधर ग्रेनेड हमला मामले में एक बड़ी सफलता हासिल मिली है।

कर्नाटक में जातिगत जनगणना आयोग ने की ओबीसी आरक्षण बढ़ाने की सिफारिश

-सिद्धारमैया सरकार इस पर चर्चा करने 17 को करेगी विशेष कैबिनेट बैठक

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में जातिगत जनगणना आयोग ने राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण को वर्तमान 32 फीसदी से बढ़ाकर 51 फीसदी करने की सिफारिश की है। यदि यह सिफारिश मान ली जाती है, तो राज्य में कुल आरक्षण का आंकड़ा 85 फीसदी तक पहुंच जाएगा। इसमें 10 फीसदी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और 24 फीसदी अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी/एसटी) के लिए पहले से आरक्षित है।

आयोग ने अपनी सिफारिशों में कहा है कि हाल ही में कराए गए सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण के मुताबिक कर्नाटक की जनसंख्या में ओबीसी वर्ग की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी है। इसके आधार पर आयोग ने आरक्षण को जनसंख्या के अनुपात में लागू करने की बात कही है ताकि सरकारी सुविधाओं और अवसरों का समान वितरण किया जा सके। आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि सर्वेक्षण में पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या 69.6 फीसदी पाई गई, फिर भी राज्य की आधे से भी कम आबादी को आरक्षण का लाभ मिल रहा है। यदि आबादी के आधार पर आरक्षण नहीं दिया गया तो सरकारी सुविधाएं समान रूप से वितरित नहीं होंगी।

सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक 1ए श्रेणी में पिछड़े समुदायों की जनसंख्या 34,96,638, 1बी-73,92,313, 2ए- 77,78,209, 2बी-75,25,880, 3ए- 72,99,577 और 3बी श्रेणी में पिछड़े समुदाय की जनसंख्या 1,54,37,113 है। सूत्रों ने बताया कि इस तरह अन्य पिछड़ी जातियों की कुल जनसंख्या 4,16,30,153 है। सूत्रों ने दावा किया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या क्रमशः 1,09,29347 और 42,81,289 है।

बता दें कि सर्वेक्षण की शुरुआत 2015 में एच कंथराज द्वारा की गई थी और बाद में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के जयप्रकाश हेगड़े ने इसे पूरा किया और फरवरी 2024 में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को रिपोर्ट सौंपी।

आयोग ने सिफारिश की कि राज्य सरकार नौकरी और शिक्षा में क्षैतिज आरक्षण को भी लागू करे। इसके तहत महिलाओं, दिव्यांगजनों और अन्य विशेष वर्गों को हर आरक्षित वर्ग के अंदर अलग कोटा मिलता है। उदाहरण के तौर पर ओबीसी वर्ग में महिलाओं या दिव्यांगों के लिए अलग से आरक्षण तय किया जाएगा। यह बहुप्रतीक्षित जातिगत जनगणना रिपोर्ट फरवरी 2024 में सरकार को सौंपी गई थी, जिसे सिद्धारमैया कैबिनेट के सामने पेश किया गया। सरकार अब इस रिपोर्ट पर चर्चा के लिए 17 अप्रैल को विशेष कैबिनेट बैठक आयोजित करेगी, जिसके बाद सिफारिशों को लागू करने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

यदि यह सिफारिश लागू होती है, तो कर्नाटक की राजनीति और समाज में एक बदलाव आएगा। यह देखना दिलचस्प होगा कि 85 फीसदी कुल आरक्षण पर संविधानिक और न्यायिक प्रतिक्रियाएं क्या होती है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पहले 50 फीसदी की सीमा तय की थी।

शाह ने किया तटकरे के घर भोजन, शिंदे-अजित के बीच तनाव कम करने का प्रयास

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र दौरे के दौरान शनिवार को एनसीपी के वरिष्ठ सांसद और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे के घर पर दोपहर का लंच किया। इस मुलाकात ने प्रदेश की राजनीतिक हलचलों को एक नई दिशा दे दी है, खासकर जब बीजेपी, शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के बीच अहम मंत्रालयों को लेकर खींचतान मची है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब रायगढ़ और नाशिक जिलों में संरक्षक मंत्री पद को लेकर सहयोगी दलों में तनाव बना हुआ है। इस साल की शुरुआत में सीएम देवेंद्र फडणवीस ने नासिक और रायगढ़ के लिए बीजेपी के गिरीश महाजन और एनसीपी की अदिति तटकरे को संरक्षक मंत्री बना दिया था, लेकिन 24 घंटे में ही यह आदेश वापस ले लिया। शिवसेना (शिंदे) का दावा है कि रायगढ़ जिले में उसके विधायक ज्यादा हैं, इसलिए उसे वहां संरक्षक मंत्री पद मिलना चाहिए। साथ ही पार्टी नासिक के लिए भी अपने प्रतिनिधि की मांग कर रही है। दूसरी ओर एनसीपी (अजित गुट) अपने पक्ष पर कायम है, जिससे गठबंधन के भीतर शक्ति संघर्ष की स्थिति बन गई है। सुनील तटकरे के घर अमित शाह का भोजन औपचारिकता नहीं माना जा रहा है, बल्कि गठबंधन की अंदरूनी राजनीति को सुलझाने या नए समीकरण बनाने की रणनीति का हिस्सा है। ऐसे समय पर शाह की यह मुलाकात साफ संकेत देती है कि बीजेपी संभावित असंतुलन को संतुलित करने की कोशिश में जुटी है।

वक्फ कानून का असर, संचालकों ने खुद ही बुलडोजर बुलाकर मदरसे पर चलवाया

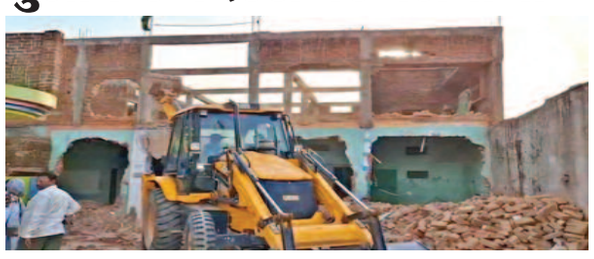

-मुस्लिम समुदाय ने ही की थी शिकायत, प्रशासन ने दिया था नोटिस

पन्ना (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में वक्फ बिल पास होने के बाद अवैध मदरसे को लेकर शिकायत की गई थी। शिकायत के बाद इस अवैध मदरसे को संचालकों ने खुद ही गिरा दिया। ऐसा कहा जा रहा है कि वक्फ बिल पारित होने के बाद यह इस तरह की पहली कार्रवाई है।

जानकारी के मुताबिक पन्ना जिले में एक अवैध मदरसा बना था। अवैध रूप से बने इस मदरसे की शिकायत एक मुस्लिम ने की थी। शिकायत मिलने के बाद खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने भी इस शिकायत को आगे बढ़ाया था। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष की शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने अवैध मदरसे को लेकर संचालकों को नोटिस दिया था। नोटिस मिलने के बाद संचालकों ने खुद ही बुलडोजर बुलवाया और मदरसे पर चलवा दिया। जानकारी के मुताबिक पन्ना की बीडी कॉलोनी में पिछले 30 सालों से अवैध मदरसा चल रहा था। पिछले कुछ सालों में लगातार कई नोटिस दिए गए, लेकिन मदरसा संचालकों ने इसका पालन नहीं किया। बीते दिनों वक्फ संशोधन बिल पास होने के बाद नोटिस भेजा गया। इसके बाद मदरसा संचालकों ने खुद ही मदरसे को ध्वस्त कर दिया।

इस मामले पर मदरसा संचालक ने दावा किया कि उसे ग्राम पंचायत से अनुमति मिली थी। संचालक ने कहा कि यह क्षेत्र नगर निगम के अंतर्गत आता है, इसलिए निर्माण को अवैध माना गया है। उन्होंने कहा कि यह मामला पिछले कई सालों से कोर्ट में चल रहा था, लेकिन बीते दिनों कानूनों में बदलाव के बाद नोटिस मिला था।

इस मामले पर वीडी शर्मा का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय के कुछ लोग उनके पास आए थे और अधिग्रहित की गई वक्फ जमीन पर अनैतिक गतिविधियों की शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन अधिनियम आने के साथ ही अब इस तरह के दुरुपयोग को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब ऐसी संपत्तियों को चैनलाइज किया जाएगा और अलग-अलग तरह से अर्जित किए गए पैसों को अल्पसंख्यक समुदाय के विकास में खर्च किया जाएगा।

देशभर में दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजनाएं शुरू करेगी सरकार : गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए अगले दो साल में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देंगे, जहां की सड़कें अमेरिका की सड़कों के समान होंगी।

गडकरी ने पीटीआई-के साथ साक्षात्कार में कहा कि केंद्र सरकार अगले दो साल में देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाने के लिए काम कर रही है, ताकि यह दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर हो।

गडकरी ने कहा, ''हम अगले दो साल में देशभर में राजमार्गों को मजबूत करने के लिए 10 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें पूर्वोत्तर और सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। आने वाले दो वर्षों में पूर्वोत्तर के राजमार्ग अमेरिकी सड़कों के बराबर हो जाएंगे।''

उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के कठिन भूभाग और सीमाओं से निकटता को देखते हुए यहां सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की तत्काल जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हमारा प्रयास देश के बुनियादी ढांचे में आमूलचूल बदलाव लाना है, ताकि यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बुनियादी ढांचे के बराबर हो जाए।''

उन्होंने बताया कि इस दिशा में महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान और दिल्ली सहित सभी राज्यों में काम चल रहा है। गडकरी ने कहा कि पूर्वी राज्यों में 3,73,484 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 784 राजमार्ग परियोजनाएं क्रियान्वित की जाएंगी, जिनके तहत 21,355 किलोमीटर सड़क आएंगी।

उन्होंने कहा कि इनमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और राष्ट्रीय राजमार्ग और अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) की परियोजनाएं शामिल हैं।

गडकरी ने बताया, ''हमारे पास फिलहाल असम में 57,696 करोड़ रुपये और बिहार में लगभग 90,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं हैं। हम पश्चिम बंगाल में 42,000 करोड़ रुपये से अधिक, झारखंड में लगभग 53,000 करोड़ रुपये और ओडिशा में लगभग 58,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं भी शुरू कर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''असम को छोड़कर पूर्वोत्तर में हम इस साल ही करीब एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू कर रहे हैं।'' गडकरी ने कहा कि नागपुर में 170 करोड़ रुपये की लागत से एक 'मास रैपिड ट्रांसपोर्ट' पायलट परियोजना चल रही है।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना में 135 सीटों वाली बस शामिल है जो प्रदूषण नहीं फैलाने वाले ऊर्जा स्रोतों पर चलेगी और इसके अत्यधिक लागत प्रभावी होने की उम्मीद है। अगर यह सफल रही तो इसे बनाओ-चलाओ-स्थानांतरित करो (बीओटी) मॉडल के तहत दिल्ली-जयपुर खंड सहित देशभर के महत्वपूर्ण मार्गों पर दोहराया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क की लंबाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो मार्च, 2014 के 91,287 किलोमीटर से बढ़कर वर्तमान में 1,46,204 किलोमीटर हो गया है। इसके अलावा मानदंडों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा कि दो लेन से नीचे के राष्ट्रीय राजमार्गों का अनुपात तेजी से कम हुआ है। कुल नेटवर्क में यह 30 प्रतिशत से घटकर सिर्फ नौ प्रतिशत रह गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में, एनएचएआई ने 5,614 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया, जो इसके 5,150 किलोमीटर के लक्ष्य से अधिक है।

अगर उस समय कार्रवाई होती, तो शायद आज राणा जिंदा नहीं होता : फली मेजर

नई दिल्ली। मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाया गया है। इस पर भारतीय वायुसेना के पूर्व प्रमुख एयर चीफ मार्शल फली एच. मेजर ने उम्मीद जताई है कि राणा की गिरफ्तारी से हमले से जुड़े कई गहरे राज सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित करवाना एक बड़ी उपलब्धि है। उससे पूछताछ में हमलों से जुड़े कई अज्ञात और चौंकाने वाले तथ्य सामने आएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने 26/11 हमलों के बाद की स्थिति को याद करते हुए कहा कि वायुसेना को हमले के कुछ ही दिनों बाद पीएमओ बुलाया गया था, जहां तीनों सेनाओं के प्रमुखों से चर्चा की गई थी। फली ने कहा कि हमसे पूछा गया था कि हम क्या जवाबी कार्रवाई कर सकते हैं। हमने कहा कि हम 18 से 24 घंटे के अंदर सटीक हवाई हमला करने पूरी तरह तैयार हैं। हमने सभी तैयारियां की थीं, लेकिन आगे कोई निर्णय नहीं लिया गया। हमारी जिम्मेदारी वहीं खत्म हो गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर उस समय निर्णायक कार्रवाई होती, तो शायद आज राणा का नाम इतिहास में नहीं होता। उन्होंने कहा कि अफसोस है कि बहुत देर हो गई।

11 मई से 30 जून तक रहेगा समर वेकेशन, 50 दिन तक बच्चे करें मौज

-शिक्षा निदेशालय ने जारी किया शैक्षणिक सत्र 2025-26 का अकेडमिक कैलेंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए अकेडमिक कैलेंडर जारी किया है। इस कैलेंडर में समर वेकेशन, विंटर वेकेशन समेत अन्य छुट्टियों की डिटेल साझा की गई है। इसके साथ ही दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने इस सत्र में होने वाले एडमिशन की तारीख की जानकारी भी साझा की है। अभिभावक और बच्चे पूरे साल का अकेडमिक कैलेंडर चेक कर सकते हैं।

छात्रों को गर्मियों की छुट्टियों का बेसब्री से इंतजार होता है। इसमें वे घूमने, मौज मस्ती के साथ ही अन्य चीजों को एक्सप्लोर करते हैं। स्टूडेंट्स और उनके माता-पिता को बता दें कि दिल्ली के सभी सरकारी स्कूल और निजी स्कूलों में समर वेकेशन 11 मई से शुरू होकर 30 जून 2025 तक रहेगा। इस प्रकार से 50 दिनों तक छात्र गर्मियों की छुट्टियों में खूब मौज मस्ती कर सकेंगे। छात्रों के अतिरिक्त शिक्षकों को स्कूलों में 28 जून को रिपोर्ट करना होगा।

छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश 11 मई से 30 जून तक, वहीं शिक्षकों को 28 जून 2025 तक स्कूलों में रिपोर्ट करना होगा। वहीं 8 मई 2025 को 5वीं, 7वीं, 9वीं, 11वीं कंपार्टमेंट रिजल्ट जारी होगा। 15 सितंबर से 10 अक्टूबर तक मिड टर्म एग्जाम होंगे। 19 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक शरद ऋतु की छुट्टियां रहेंगी। 1 जनवरी से 15 जनवरी 2025 तक विंटर वेकेशन रहेगा और नया सत्र 1 अप्रैल से स्टार्ट होगा।

दिल्ली शिक्षा निदेशालय की ओर से दी गई डिटेल के मुताबिक इस साल नया सत्र 1 अप्रैल 2025 से शुरु हो गया। गर्मी, लू बढ़ने या अन्य दिक्कतों के लिए बाद में फैसला लिया जाएगा। इस बार दिल्ली के स्कूल में तीन चरणों में प्रवेश होंगे। तीनों ही चरणों के लिए अलग अलग आवेदन लिए जाएंगे। नए नियम के मुताबक दिल्ली के स्कूलों में कक्षा 6वीं से 8वीं तक पूरे साल ही एडमिशन लिए जाएंगे। इस साल कक्षा 6ठी से 9वीं तक के प्लांड एडमिशन 1 अप्रैल से 30 जून तक लिए जाएंगे। अन्य व विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी दिल्ली शिक्षा निदेशालय की ऑफिशियल वेबसाइट देख सकते हैं।

बीजेपी-एआईएडीएमके फिर आए साथ, राज्यसभा में बढ़ गई एनडीए की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने राज्यसभा में बिना मनोनीत सदस्यों के ही बहुमत तय कर लिया है और यह बड़ा बदलाव एक दिन पहले एआईएडीएमके के एनडीए के साथ आने से हुआ। बीजेपी और एआईएडीएमके के इस गठबंधन से राज्यसभा के गणित में बड़ा बदलाव आया है। एआईएडीएमके के चार सांसदों के समर्थन से एनडीए की ताकत और बढ़ गई है, जबकि विपक्ष की स्थिति कमजोर है। रोचक यह है कि जब बीजेपी शासित सरकार ने राज्यसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश किया था, तब एआईएडीएमके ने इस विधेयक के विरोध में वोट किया था।

बता दें राज्यसभा में कुल 236 सदस्य हैं, जिनमें नौ सीटें खाली हैं। एनडीए के पास 119 सदस्य हैं, जिसमें हरियाणा के निर्दलीय सांसद कार्तिकेय शर्मा का भी समर्थन मिला हुआ है। अब एआईडीएमके के चार सांसदों के समर्थन के साथ, बीजेपी नेतृत्व वाले गठबंधन की संख्या बढ़कर 123 हो जाएगी। ऐसे में, जब सदन अपनी पूर्ण सदस्यता यानी 245 तक पहुंचेगा, तब भी एनडीए के पास बहुमत रहेगा।

इसके अलावा एनडीए को छह नामांकित सदस्य का भी समर्थन मिला हुआ है, जिससे प्रभावी सदस्यता 125 हो जाती है। सभी छह नामांकित सदस्य बीजेपी द्वारा नियुक्त किए गए हैं और सामान्यत-नामांकित सदस्य उस पार्टी के पक्ष में मतदान करते हैं जो उन्हें सदन में भेजती है। एआईएडीएमके के आने से राज्यसभा में बदलाव एआईएडीएमके के सांसदों के शामिल होने से एनडीए की प्रभावी सदस्यता बढ़कर 129 हो जाएगी। वहीं, सरकार द्वारा खाली सीटों को भरने के बाद यह संख्या 134 या उससे ज्यादा हो सकती है। राज्यसभा में नौ खाली सीटों में से चार नामांकित सदस्य के लिए होंगी, जिनकी नियुक्ति केंद्र सरकार करेगी, चार जम्मू-कश्मीर से और एक आंध्र प्रदेश से, जहां एनडीए सहयोगी टीडीपी की सरकार है।

बता दें बीजेपी के पास राज्यसभा में 98 सदस्य हैं, जिसमें दो नामांकित सदस्य शामिल हैं। अन्य एनडीए सहयोगियों में जेडीयू के 4, एनसीपी के 3, टीडीपी के 2, और शिवसेना, एजीपी, पीएमके, आरएलडी, आरएलएम, तमिल मानीला कांग्रेस (मूपनार), एनपीपी, जेडीएस, आरपीआई (अठवाले), यूपीपीएल और एमएनएफ के एक-एक सदस्य हैं।

भाजपा ने किया 'जय भीम पदयात्रा' का आयोजन, केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया रहे मौजूद

पटना (एजेंसी)। भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 134 वीं जयंती के मौके पर भाजपा ने पटना के गांधी मैदान से हाई कोर्ट तक पदयात्रा का आयोजन किया। इसमें भाग लेने केंद्रीय श्रम, रोजगार एवं युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया पटना पहुंचे थे। उन्होंने रविवार को 'जय भीम पदयात्रा' में हिस्सा लिया। इस पदयात्रा का उद्देश्य डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों, मूल्यों और शिक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। इस आयोजन की अगुवाई बिहार खेल मंत्रालय ने की और इसे मेरा भारत युवा साथियों के सहयोग से आयोजित किया गया। इस पदयात्रा की अगुवाई करते हुए डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि देशभर में 5,000 से अधिक स्थानों पर बाबासाहेब की जयंती पर पदयात्राएं आयोजित की गईं। इनका उद्देश्य डॉ. आंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां बाबासाहेब की प्रतिमा स्थापित है, वहां माल्यार्पण के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। उन्होंने युवाओं से देश की बागडोर संभालने का आह्वान करते हुए कहा कि देश का युवा ही देश का भविष्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 में विकसित भारत के निर्माण का जो संकल्प लिया था, वह सिर्फ एक नारा नहीं है, बल्कि एक दिशा है, एक मार्ग है, जिस पर आज का भारत आगे बढ़ रहा है।÷ मांडविया ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1985 में 21वीं सदी का सपना दिखाया था, लेकिन उस सपने की ओर बढ़ने का रास्ता स्पष्ट नहीं किया गया था। इसके उलट प्रधानमंत्री मोदी ने संकल्प भी लिया और रास्ता भी दिखाया। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक यात्रा नहीं, बल्कि युवाओं द्वारा लिए गए संकल्प का प्रतीक है विकसित भारत का निर्माण। हमें डॉ. आंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेनी है, उनके बनाए संविधान से दिशा लेनी है और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ना है। मांडविया ने यह भी कहा कि बाबा साहेब की प्रतिमाओं की सफाई करना केवल बाह्य स्वच्छता नहीं, बल्कि यह हमारे भीतर की स्वच्छता, सरकारी शुद्धता और सुशासन की दिशा में एक कदम है। उन्होंने सभी युवाओं से आग्रह किया कि वे मिलकर नए भारत के निर्माता बनें और डॉ. आंबेडकर के सपनों को साकार करें। पदयात्रा में शामिल होने वालों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा, मंत्री नितिन नवीन, भाजपा विधान पार्षद संजय मयूख, सांसद रविशंकर प्रसाद, विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव, मंत्री सुरेंद्र महतो, मंत्री मोतीलाल प्रसाद समेत कई अन्य नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे।

आशावादी बनिए

एडिसन की प्रयोगशाला एक अग्निकांड में पूरी तरह से जल कर ध्वस्त हो गई। उनके जीवन भर की शोध सामग्री और बहुमूल्य उपकरण सब खाक हो गए। आर्थिक क्षति भी बहुत हुई। यदि कोई सामान्य व्यक्ति होता तो उस हादसे से आसानी से उबर नहीं पाता, किंतु एडिसन ने कहा, इसमें हमारी भूलें भी जल कर नष्ट हो गई हैं। हमें ईश्वर का कृतज्ञ होना चाहिए, अब हम नए सिरे से जीवन को शुरू कर सकते हैं। इन सब के बीच व्यक्ति की जीवन यात्रा उत्थान की दिशा में बढ़ रही है या पतन की दिशा में, इसमें उस व्यक्ति के दृष्टिकोण की भूमिका सबसे बड़ी होती है।

भाग्य को न कोसें

हम में से अधिकांश लोग ऐसी स्थिति में अपने दु:ख-दर्द एवं दुर्भाग्य के लिए भाग्य को कोसते हैं या फिर दूसरों को दोषी मानते हैं। और नहीं तो भगवान पर ही गुस्सा निकालने लगते हैं। एडिसन ने भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद किया। जैसे ही हमारा जीवन के प्रति दृष्टिकोण बदलने लगता है, तो स्थिति पलटने लगती है। आशा मनुष्य की सबसे बड़ी संपदा है।

हमारे जीवन में प्रयास, पुरुषार्थ, अवरोध एवं संघर्ष का लगातार एक क्रम चलता रहता है। और ऐसे में सफलताएं भी मिलती हैं और विफलताएं भी। लेकिन अगर आप हमेशा आशावादी बने रहेंगे तो नित नई ऊंचाइयां प्राप्त करते रहेंगे।

आशा उत्साह की जननी

प्रेमचंद ने एक जगह लिखा है, आशा उत्साह की जननी है। उसमें तेज है, बल है, जीवन है। आशा ही संसार की संचालन शक्ति है। यदि व्यक्ति आशा खो बैठता है तो जीवन नैया डूबने लगती है। आशा घोर अभाव और संकट के बीच भी निर्माण के तत्वों की खोज करती है। वह आभासित अभिशाप को भी वरदान में बदल देती है। ठीक इसके उलट, निराशावादी दृष्टिकोण के कारण हम अनुकूल अवसरों में भी प्रतिकूलता देखने लगते हैं। एडिसन आशावादी था, उसने अनुकूल अवसर खोजकर अपने जीवन को नए सिरे से शुरू कर लिया।

विफलता से मिलती है निराशा

इसलिए यदि घटनाएं हमारे अनुरूप नहीं घटतीं और हमें विफलता एवं निराशा का संदेश देती हैं, तो भी हिम्मत हारने एवं हताश होने की आवश्यकता नहीं। चाहे संघर्ष पथ पर हम गिर जाएं, पिट भी जाएं, तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि कोई भी असफलता अंतिम नहीं होती। यदि लक्ष्य के प्रति मन में लगन हो, तो विफलता भी गिर कर फिर से उठकर खड़े होने और दुगुने उत्साह के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

सफलताओं से सीखें

आशावादी व्यक्ति व्यावहारिक रुख अपनाते हुए अपने जीवन की छोटी - छोटी सफलताओं से क्रमश: आगे बढ़ता है। अपनी कार्यकुशलता और इच्छाशक्ति को क्रमश: विकसित करता जाता है। यह पद्धति रचनात्मकता का स्रोत बनकर उसे लगातार आगे बढ़ाती रहती है। निराशावादी व्यक्ति जहां एक दरवाजा बंद देखते ही अपना प्रयास छोड़ देता है, वहीं आशावादी व्यक्ति दूसरे खुले दरवाजों की तलाश में जुट जाता है। निराशावादी जहां सतत् हारता है, वहीं आशावादी अपनी तात्कालिक विफलताओं के बावजूद एक विजेता बन कर उभरता है। वास्तव में जब तक हम अपने जीवन के अर्थ एवं सुख की खोज के लिए बाहरी वस्तुओं, व्यक्तियों एवं परिस्थितियों पर निर्भर रहते हैं, तब तक निराशा का भाव भी बार-बार आता है। और जब दृष्टि अपने अंदर के मूल स्रोत की ओर मुड़ने लगती है, तो निराशा का कुहासा भी घटने लगता है।

हिम्मत न हारें

यदि हम छोटी-छोटी असफलताओं और रुकावटों से हिम्मत हार बैठते हैं और नकारात्मक भावों को जीवन में हावी होने देते हैं, तो यात्रा का हर कदम दूभर एवं कष्टप्रद बन जाता है। जीवन एक दु:खद घटना एवं दुर्भाग्यपूर्ण मजाक लगने लगता है। हमारी ऊर्जा कुंठित होने लगती है।

परमात्मा का वरदान

यहीं पर हमें परमात्मा की कृपा एवं वरदान की भाव भरी अनुभूति होती है। अपने ईमानदार प्रयास के साथ प्रभु प्रेम एवं उसके अचूक न्याय विधान के प्रति आस्था को धारण कर हम अनायास ही आस्तिकता एवं धार्मिकता के पथ पर बढ़ जाते हैं। वही हमें जीवन की सार्थकता के बोध की ओर ले चलती है।

ज्यों ही कोई विज्ञान पूर्ण एकता तक पहुंच जाएगा, त्यों ही उसकी प्रगति रुक जाएगी क्योंकि तब वह अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। उदाहरणार्थ रसायनशास्त्र यदि एक बार उस मूल तत्त्व का पता लगा ले जिससे और सब द्रव्य बन सकते हैं तो फिर वह और आगे नहीं बढ़ेगा।

प्रकृति का दास नहीं मनुष्य

भौतिकी जब उस एक मूल शक्ति का पता लेगी, अन्य शक्तियां जिसकी अभिव्यक्ति हैं तब वह वहीं रुक जाएगी। वैसे ही धर्मशास्त्र भी उस समय पूर्णता को प्राप्त कर लेगा जब वह उसको खोज लेगा जो इस मृत्युलोक में एकमात्र जीवन है, जो इस परिवर्तनशील जगत का शाश्वत आधार है, जो एकमात्र परमात्मा है, अन्य सब आत्माएं जिसकी प्रतीयमान अभिव्यक्तियां हैं। इस प्रकार अनेकता और द्वैत में होते हुए इस परम अद्वैत की प्राप्ति होती है। धर्म इससे आगे नहीं जा सकता। यही समस्त विज्ञानों का चरम लक्ष्य है।

धर्म का प्रारंभ

धर्म का प्रारम्भ कैसे हुआ और वह क्रमश: विकास द्वारा आध्यात्मिक अद्वैतवाद की इस सीमा तक कैसे पहुंचा? क्या इसके बाद विचार के विकास पर विराम चिह्न लगा देना सम्भव है? मनुष्य मननशील प्राणी है। उसका मस्तिष्क अन्य सभी प्राणियों की अपेक्षा अधिक उन्नत है और यह मस्तिष्क ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। जबकि दूसरे प्राणियों ने आत्मरक्षा की सहज प्रवृत्ति से अपने आप को प्रकृति के अनुरूप ढाला है और निरन्तर ढालता जा रहा है। मनुष्य प्रकृति का दास नहीं विजेता है। उसने अपनी विचार-शक्ति द्वारा आग, पानी, बिजली का प्रयोग करके, शस्त्र-यंत्र का आविष्कार करके और प्रकृति के नियमों की खोज लगाकर अपनी इस विजय को सम्भव बनाया। प्रकृति को बदलने में वह स्वयं भी बदला। अपने इस संघर्ष में ही वह पशु से मनुष्य, हैवान से इंसान बना।

दैविक शक्ति का हाथ

मतलब है कि उसके निर्माण में किसी दैविक शक्ति का हाथ नहीं, बल्कि अपने इस संघर्ष के दौरान देव, दानव तथा ईश्वर आदि दैवी शक्तियों का निर्माण स्वयं उसने किया। सभी विचार भौतिक परिस्थितियों से उत्पन्न हुए, मनुष्य ने उन्हें व्यवहार की कसौटी पर परखा। उनके असार तत्त्व को त्याग कर सारतत्त्व को भौतिक शक्ति में परिणत किया तथा सिद्धान्तों का रूप दिया।

प्रेम का कमल भक्ति

सपनों का ताना-बाना क्षण भर को रुकता नहीं। उसी सपने के जाल का नाम माया है। उसी सपने के जाल में उलझे तुम परेशान और पीड़ित हो। जो नहीं है उसने तुम्हें अटकाया है। जो नहीं है, उसने तुम्हें भरमाया है। जो नहीं है उसने तुम्हारी आंखें बंद कर दी हैं और जो है उसे देखना मुश्किल हो गया है।

मन के साथ जो चला, वह कभी भगवान तक न पहुंच सकेगा। भगवान यानी जो है, भक्ति यानी जो है, उसे देखने की कला। लेकिन जो है, वह हमें दिखायी क्यों नहीं पड़ता? जो है वह तो हमें सहज दिखायी पड़ना चाहिए। जो है उसे खोजने की जरूरत ही क्यों हो? जो है उसे हम भूले ही क्यों, उसे हम भूले ही कैसे? जो है उसे हमने खोया कैसे? जो है उसे खोया कैसे जा सकता है?

इसलिए पहली बात समझ लेनी जरूरी है, मन का नियम। मन उसी को जानता है जो नहीं है। तुम्हारे पास अगर दस हजार रुपए हैं तो उन दस हजार रुपयों को मन भूल जाता है। मन उन दस लाख रुपयों का चिंतन करता है जो होने चाहिए, पर हैं नहीं। मन अभाव का चिंतन करता है। जो पत्नी उपलब्ध है, मन उसे भूल जाता है। जो स्त्री उपलब्ध नहीं है, मन उसकी कल्पनाएं करता है, योजनाएं बनाता है। जो मिला है, मन उसे देखता ही नहीं। उसी पर नजर रखता है, जो मिला नहीं है। हाथ की असलियत मन को नहीं भाती, स्वप्न के आभास भाते हैं। मन स्वप्न के भोजन पर जीता है। मन जीता ही स्वप्न के सहारे है।

भीतर सपनों का जाल

जब भी आंख बंद करोगे, भीतर सपनों का जाल पाओगे। आंख खोले काम में भी लगे हो, तब भी भीतर उनका सिलसिला जारी रहता है। तब भी पर्त-दर-पर्त सपने घने होते रहते हैं। तुम देखो या न देखो, लेकिन मन सपने बुनता रहता है। मन का

मन में श्रद्धा नहीं

रात तुमने कितनी बार सपने देखे हैं और हर बार जागकर पाया, झूठे थे! लेकिन फिर जब रात आज देखोगे स्वप्न तो देखते समय सच मानोगे। झूठ को सच मानने की तुम्हारी कितनी प्रगाढ़ धारणा है! कितनी बार जागकर भी, कितनी बार देखकर भी कि सपने सुबह झूठ सिद्ध हो जाते हैं, फिर भी जब तुम रात स्वप्न देखोगे तो सच मालूम होगा। लोग कहते हैं, हमारे मन में श्रद्धा नहीं है। हम बड़े संवेदनशील हैं।

निस्तार कैसे होगा

हमारा निस्तार कैसे होगा? मैं कहता हूं, तुम सपनों तक पर श्रद्धा करते हो, सत्य की तो बात ही छोड़ो। तुम सपनों तक पर भरोसा करते हो, उन पर तक तुम्हें अभी सन्देह नहीं आया, तो तुम और किस पर सन्देह करोगे? जो नहीं है, उस पर भी सन्देह नहीं हो पाता, तो जो है उस पर तुम कैसे सन्देह करोगे? जिसने सपने तोड़े, उसके भीतर श्रद्धा का जन्म हुआ। जिसने सपने तोड़े, उसने तब सत्य को जानने का मार्ग साफ कर लिया।

बुद्धि नहीं हृदय की सुनिए

तुम्हारा हृदय ही कहेगा। हृदय हमेशा कह देता है, मगर तुम सुनते नहीं हो हृदय की। तुम कहते हो, कैसे गुरु को पहचानें? क्या कसौटी है? बुद्धि कसौटी मांगती है, हृदय तत्क्षण कह देता है, हृदय की सुनो, बुद्धि को एक तरफ रख दो।

हृदय से कभी भूल नहीं हुई है। हृदय ऐसे ही है, जैसे तुमने दिशासूचक-यंत्र, जो सदा बताता रहता है पूरब की ओर, सूरज उगने की ओर। हृदय सदा परमात्मा की तरफ इशारा करता है, मगर तुम हृदय नहीं बुद्धि की सुनते हो और बुद्धि की सुनने के कारण अक्सर भ्रांति में पड़ते हो। सच यह है कि जब तक बुद्धि की सुनते रहोगे, तब तक गुरु नहीं मिलेगा। जो मिलेंगे वे गुरु के धोखे होंगे। गुरु के धोखे बुद्धि को राजी कर लेंगे, क्योंकि गुरु के धोखे का मतलब होता है-जो तुम्हें राजी करने को ही बैठा है। तुम जैसा चाहते हो, वैसा बनकर बैठा है। सद्गुरु कभी भी तुम्हारी अभिलाषाओं, आकांक्षाओं, अपेक्षाओं के अनुकूल नहीं होता, हो ही नहीं सकता। नहीं तो जीसस को लोग सूली चढ़ाते? बुद्ध को पत्थर मारते? महावीर को गांव से खदेड़ कर निकालते? सुकरात को जहर पिलाते? यह मत सोचना कि वे सब लोग पागल थे। वे तुम्हारे ही जैसे लोग थे, तुम ही थे-जिन्होंने जीसस को सूली दी, सुकरात को जहर पिलाया, बुद्ध को पत्थर मारे, महावीर के कानों में सींखचे ठोक दिये। वे तुम से जरा भी भिन्न न थे। ऐसा नहीं है कि गुरुओं की पूजा उस दिन नहीं हो रही थी। जब बुद्ध को लोग पत्थर मार रहे थे, तब भी पंडित, पुजारी, पोंगापंथी पूजे जा रहे थे। जब जीसस को लोग सूली पर चढ़ा रहे थे, तब भी धर्मगुरु का सम्मान किया जा रहा था।

तुम्हारी बुद्धि जिससे राजी हो जाती है, वह अक्सर धोखा होता है। उसके पीछे कारण है, क्योंकि वह धोखे की पूरी तैयारी करता है। वह गुरु नहीं, गहरे अर्थ में सिर्फ राजनेता है। राजनेता की कला का सार यही है कि लोग जहां जाना चाहते हैं, वहां जल्दी से उचक कर उनके आगे हो जाता है।

लोग पूरब जा रहे हैं तो वह कहता है पूरब जाना है। लोग पश्चिम जाने लगें तो कहता है, मैं तो सदा कह रहा था कि पश्चिम जाना है और लोगों को समझ नहीं आ पाता कि वह हमारी नजरें परख रहा है, हमारे भाव परख रहा है, हवा का रुख परख रहा है। सद्गुरु तुम्हारे हिसाब से नहीं चल सकता,परमात्मा के हिसाब से चलता है। उसके साथ तो जिसे राजी होना हो, उसे ही राजी होना पड़ता है। वह तुम से राजी नहीं होता। समझ लेना, जो तुमसे राजी है, वह तुम्हें बदल नहीं पाएगा।

कई बार ऐसा होता है कि ध्यान में जाने और मंत्रों के उच्चारण के बाद भी मन अन्य बातों की ओर भागता है।

मानसिक ऊर्जा का स्रोत

जैसे किराने की दुकान खुली या नहीं? या आज खाना कौन बनाएगा? पर जब आप खुद के साथ समय बिताने की आदत डाल लेंगे तो मंत्र आपकी मानसिक शक्ति और ऊर्जा को बढ़ाएंगे और उच्च संस्कारों का निर्माण होगा। आपको अपने मन को इसके अनुकूल बैठाना होगा। अनचाही चीजों के बारे में सोचते रहना मन का स्वभाव होता है। जब भी हम चिंता करते हैं तो हमारा शरीर काफी सारी ऊर्जा खो बैठता है।

ऊर्जा मत खोओ

दो गलत तरह के मंत्रों का उपयोग करने से हम अपनी यह ऊर्जा खो बैठते हैं। पहला है आर्द, जिसका मतलब होता है बार-बार दु:खों को याद करते रहना। दूसरा है रौद्र, जिसका मतलब होता है गुस्से को आने देना। इनका परिणाम यह होता है कि शरीर बीमारियों का शिकार होने लगता है। अपने मन को आर्द और रौद्र से छुटकारा दिलाने के लिए अपनी आध्यात्मिक क्रिया जारी रखें, मंत्रों का उच्चारण करें और ध्यान में जाएं। महर्षि पातंजलि ने योगसूत्रों में कहा है- यदि स्तान संशय अतिरति प्रमाद आलस्य। बीमारी, उत्साह की कमी, शंका, चिंता आदि रुकावटों को दूर करने के लिए एक तत्व अभ्यास का प्रयोग करें। किसी भी एक मंत्र का उच्चारण करें, उस एक ध्वनि का, एक शब्दांश का लंबे समय तक अभ्यास करें।

मन का विचार

तो जब मन में विचार और मंत्र दोनों चल रहे हों, आपका मन और चैतन्य मंत्रों से भरा होना चाहिए। तब मन चिंताओं से मुक्त हो जाता है क्योंकि एक मंत्र में शक्ति के साथ-साथ एक खास स्पंदन भी होता है। जब उसका उच्चारण किया जाता है, तो वह ऊर्जा में बदल जाता है और आपके चैतन्य को भर देता है। जैसे-जैसे चैतन्य में यह ऊर्जा बढ़ती है, हम स्वयं के और करीब आ जाते हैं और हमारी हर चीज में- जैसे कि हमारे घर में, मन में शरीर और वातावरण में यह ऊर्जा और निश्चयात्मकता फैलती चली जाती है।

अपनी जिंदगी के इन पलों को दोबारा जीना चाहते हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव की आने वाली कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'भूल चूक माफ' का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। फिल्म टाइम लूप की कहानी पर आधारित है। जिसमें राजकुमार राव की शादी होनी है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान राजकुमार राव ने बताया कि वो अपने जीवन के किन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे। इसमें उन्होंने अपनी पहली फिल्म से लेकर 'स्त्री 2' तक के समय का जिक्र किया।

इन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे राजकुमार

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए राजकुमार राव ने बताया कि वो अपने जीवन के इन पलों को दोबारा जीना चाहेंगे। अभिनेता ने कहा, किसी भी बाहर से आने वाले एक्टर के लिए पहली फिल्म मिलना काफी बड़ी बात होती है। मेरे साथ 2010 में ऐसा हुआ था। मैं उस पल को बार-बार जीना चाहूंगा। मैं उस पल को दोबारा जीना चाहूंगा जब मेरी मां मेरे साथ थीं। जब मैंने पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था। फिर जब स्त्री 2 रिलीज हुई और पहले दिन बॉक्स ऑफिस के जो आंकड़े आए मैं चौंक गया था। हम सोच में पड़ गए कि क्या हो गया। शादी के दिन को बार-बार जीने की इच्छा अभिनेता ने आगे कहा, मैं उस दिन को भी बार-बार जीना चाहूंगा जब 2021 में मैंने पत्रलेखा से शादी की थी। मेरी शादी के तीनों दिन बहुत खूबसूरत थे और मैं इसे बार-बार जीना चाहूँगा। फेरे बहुत खूबसूरत थे। इसके अलावा पहली बार जब मैंने पत्रलेखा को गलियारे में चलते देखा, तो मैं उसे फिर से जीना चाहूंगा।

9 मई को रिलीज होगी 'भूल चूक माफ'

राजकुमार राव और वामिका गब्बी स्टारर 'भूल चूक माफ' 9 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन करण शर्मा ने किया है। जबकि फिल्म का निर्माण दिनेश विजन के मेडॉक फिल्म्स ने किया है। मेडॉक और दिनेश विजन के साथ राजकुमार राव की ये आठवीं फिल्म है। इसको लेकर राजकुमार राव काफी उत्साहित हैं।

सीरीज द रॉयल्स को लेकर उत्साहित हैं भूमि पेडनेकर

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज द रॉयल्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इस सीरीज में अपने रोल से लेकर सीरीज के बारे में भूमि ने कई बातों से पर्दा उठाया है। द रॉयल्स में भूमि एक ग्लैमरस और ताकतवर उद्यमी का किरदार निभा रही हैं। यह उनकी पहले की फिल्मों से बिल्कुल अलग है। भूमि की सीरीज का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया, जिसे देखने के बाद फैंस की उम्मीदें इस सीरीज से और अधिक बढ़ गई हैं। हिंदी सिनेमा में 10 साल पूरे करने के बाद भूमि अब ओटीटी पर कदम रख रही हैं। द रॉयल्स में भूमि के अलावा ईशान खट्टर भी नजर आएंगे। इस सीरीज में उनका किरदार नया और बिल्कुल अलग है। एक खबर के मुताबिक भूमि ने कहा, वह इस सीरीज को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन अपनी उम्मीदें कम रखती हैं। उन्हें अब तक दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और लोग उन्हें ईशान के साथ देखने के लिए उत्सुक हैं। भूमि और ईशान की जोड़ी को फैंस पसंद कर रहे हैं। भूमि का कहना है कि दर्शकों का प्यार देखकर खुशी होती है। अपने 10 साल के करियर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि दम लगा के हईशा से लेकर द रॉयल्स तक का सफर उनके लिए खास रहा है। भूमि ने आगे कहा कि वह अपने किरदारों के लिए बदलाव करने को तैयार रहती हैं। द रॉयल्स के साथ भूमि ओटीटी पर कदम जमाने वाली हैं। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

'अकाल' में करण जौहर के साथ काम कर उत्साहित हूं

निर्देशक-अभिनेता और गायक गिप्पी ग्रेवाल की पीरियड ड्रामा 'अकाल - द अनकॉन्क्वेर्ड' गुरुवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। उन्होंने बातचीत के दौरान बताया कि करण जौहर बेहतरीन फिल्म निर्माता और इंसान हैं। अकाल के लिए उनके साथ हाथ मिलाकर एहसास हुआ कि उनकी फिल्म भाषा की सीमाओं को पार कर देशभर के दर्शकों को देखने को मिलनी चाहिए। गिप्पी ने कहा, हमें लगा कि हमारी फिल्म सीमाओं से बाहर निकलनी चाहिए। इसे पंजाबी दर्शकों के साथ ही देश भर के दर्शक देख सकें। इसलिए, हमने फिल्म को हिंदी में रिलीज किए जाने का फैसला लिया। पंजाब में हम तमिल और तेलुगू फिल्में हिंदी में देखते हैं। तो, हमारी फिल्मों को भी लोग देख सकें। उन्होंने आगे बताया, करण जौहर बेहतर निर्माता हैं। हमने पहली मीटिंग में ही सब कुछ तय कर लिया था। इसलिए, करण के साथ अगली मीटिंग में काम और भी तेजी से हुआ। गिप्पी ने कहा कि करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शंस के माध्यम से फिल्म हिंदी में प्रस्तुत की जा रही है, जो इसकी विशेषता को बढ़ाने वाली है। करण के साथ काम करके काफी उत्साहित हूं। सभी को लगता है कि फिल्म को लेकर हमारी पहुंच बढ़ गई है। फिल्म को लोग हिंदी में भी देख सकेंगे। बाकी, तो सबकुछ फिल्म की कहानी और कलाकारों पर ही निर्भर करता है। अकाल - द अनकॉन्क्वेर्ड फिल्म 1840 दशक के पंजाब पर आधारित है।

विजय सेतुपति की फिल्म में अहम किरदार में नजर आएंगी तब्बू

साउथ फिल्मों में बॉलीवुड अभिनेत्रियों के काम करने का चलन काफी पुराना है, जिसमें कियारा आडवाणी से लेकर कई अभिनेत्रियों के नाम शामिल हैं। हाल ही में फिल्म देवरा पार्ट 1 जान्हवी कपूर ने लीड रोल निभाया था। वहीं अब एक और अभिनेत्री हैं, जो विजय की फिल्म में नजर आएंगी। हालांकि, वह पहले भी कई साउथ फिल्मों में अपना हुनर दिखा चुकी हैं।

एक खबर के मुताबिक, विजय सेतुपति और पुरी जगन्नाथ की आगामी फिल्म की घोषणा कुछ दिन पहले हुई थी। अब फिल्म को लेकर अपडेट आया है कि इस फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू अहम किरदार में नजर आएंगी। बहरहाल, इस फिल्म को लेकर तब्बू से बातचीत चल रही हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर किया था फिल्म को लेकर विजय ने पोस्ट

विजय सेतुपति ने आज से छह दिन पहले उगादि के अवसर पर अपनी नई फिल्म की घोषणा एक तस्वीर शेयर करके की थी, जिसमें विजय के साथ पुरी नजर आए। विजय ने कैप्शन में लिखा, एक सनसनीखेज सहयोग के साथ एक नए रोमांचक अध्याय की शुरुआत। शानदार निर्देशक पुरीजगन्नाध और दमदार कलाकार मक्कलसेल्वन ने सभी भारतीय भाषाओं में एक शानदार फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। फिल्म की शूटिंग जून में शुरू होगी।

पहले भी कई साउथ फिल्मों में नजर आ चुकी हैं तब्बू

तब्बू ने कई साउथ फिल्मों में काम किया है, जिनमें कुली नंबर 1 तेलुगु फिल्म है, जिसमें तब्बू ने वेंकटेश के साथ काम किया था। निन्ने पेल्लादथा और आविदा मां आविदे तेलुगु फिल्में हैं, जिनमें तब्बू ने नागार्जुन के साथ काम किया है। प्रियुरलु पिलीचिंडी भी एक तमिल फिल्म है, जिसमें तब्बू ने काम किया है। अला वैकुंठपुरमुलु भी एक तेलुगु फिल्म है, जिसमें तब्बू ने अल्लू अर्जुन के साथ काम किया है। हाल ही में तब्बू बॉलीवुड फिल्म क्रू और हॉलीवुड सीरीज ड्यून- प्रोफेसी में नजर आई। इसके अलावा वह अक्षय कुमार की आगामी फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगी।

रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर शेयर की थामा की शूटिंग अपडेट

पुष्पा फेम अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आगामी हॉरर फिल्म थामा की शूटिंग में व्यस्त हैं। थामा एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें उनके साथ आयुष्मान खुराना नजर आएंगे। आज थामा की अभिनेत्री रश्मिका ने सोशल मीडिया पर फिल्म की शूटिंग को लेकर एक अहम जानकारी शेयर की है और साथ ही अपने फैंस से एक खास सवाल का जवाब भी मांगा है। रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपना 29वां जन्मदिन मनाया। वहीं वह इस दौरान अपनी आगामी हॉरर फिल्म थामा की शूटिंग में व्यस्त रहीं। इसी फिल्म को लेकर रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है और साथ ही अपने प्रशंसकों से फिल्म को लेकर एक खास सवाल भी पूछा है, जिसे देखने के बाद रश्मिका के फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गई है।

रश्मिका ने इंस्टाग्राम पर थामा के लोकेशन की एक तस्वीर शेयर की और साथ ही नोट भी लिखा। रश्मिका ने घने पेड़ों के बीच डूबते हुए सूरज की एक तस्वीर शेयर की है और साथ ही लिखा, कुछ दिनों के लिए रात में शूटिंग। आपको इस पोस्ट में सिर्फ चांद या फिर कैमरे की लाइट और सितारे ही दिखाई देंगे। इस नोट के साथ रश्मिका ने अपने फैंस से एक सवाल भी पूछा। क्या आप बता सकते हैं कि यह कौन सा शहर है, जो दिखाई नहीं दे रहा। क्या आप सहमत हैं?

हॉरर फिल्म थामा इस दिवाली सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना के अलावा आयुष्मान खुराना भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज मिलकर कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका मंदाना फिल्म थामा के अलावा कुबेर नाम की फिल्म में नजर आएंगी। इस फिल्म में रश्मिका के साथ साउथ अभिनेता धनुष नजर आएंगे। कुबेर इस साल 20 जून को रिलीज होगी। यह फिल्म शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित एक ड्रामा तमिल फिल्म है।

सोचता हूं कि अपने ही देश में डरकर क्यों जी रहा हूं, यहां ऐसे जीना खलता है

वेब सीरीज स्कैम 1994 में हर्षद मेहता के रूप में अपने अभिनय की चमक बिखेरने वाले ऐक्टर प्रतीक गांधी अब दो और महान हस्तियों को पर्दे पर जीने जा रहे हैं। इनमें एक तो हंसल मेहता की वेब सीरीज गांधी है, जिसमें वह महात्मा गांधी के रूप में दिखेंगे। वहीं, फिल्म फुले में वह महान समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की भूमिका में हैं।

हैरत की बात है कि ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक पर पॉपुलर सिनेमा में इतने वक्त बाद फिल्म बन रही है? उनका किरदार निभाते हुए आपने उनके व्यक्तित्व से सीखा?

यह बहुत वाजिब सवाल है कि अब तक फिल्म क्यों नहीं बनी। वैसे, हैरानी तो इस बात पर भी होनी चाहिए की उन्होंने अपने जीवन का जो सबसे पहला स्कूल खोला था, वह इतनी जर्जर हालत में है कि देखकर लगेगा कि वह कभी भी टूट सकता है। किसी को यह विचार नहीं आया कि इस धरोहर को संभालकर रखना चाहिए। बहरहाल, मैंने तो बहुत सारी चीजें सीखीं। सबसे बड़ी बात जो मुझे लगी है वो यह कि आप सेल्फलेस होकर कैसे जी सकते हैं। उन्होंने अपने बारे में कभी नहीं सोचा। दूसरे, जो बात सच लगे उसके साथ बिना डरे खड़ा होना। मतलब, किसी चीज को पूरा समाज सही मानता है, मगर वो आपको गलत लगती है तो उसे गलत कहने की हिम्मत रखना। आज के समय में इसकी बहुत जरूरत है। अभी अहिंसा में कोई यकीन नहीं रखता। अभी तो कोई चीज बुरी लगी मतलब खत्म। मुझे यह सब देखकर बहुत दुख होता है। पता नहीं ये कैसे बदलेगा, मगर उम्मीद है कि एक दिन आएगा, जब सब अच्छा होगा।

फुले के अलावा, वेब सीरीज गांधी में आप महात्मा गांधी की भूमिका भी निभा रहे हैं। जबकि, गांधी पर इतनी नामी फिल्में बन चुकी हैं। आप लोग क्या नया दिखा रहे हैं? स्कैम 1994 के बाद हंसल मेहता संग दोबारा जुड़ने का अनुभव कैसा रहा?

यह सही है कि महात्मा गांधी पर कई फिल्में बहुत बनी हैं, मगर सीरीज पहली बार बनेगी। मेरे हिसाब से गांधी जी का जीवन सफर लॉन्ग फॉर्मेट में ही सबसे अच्छे से दर्शाया जा सकता है। इतनी बड़ा जीवन, इतना सारा काम है उनका। हमारा प्रयास गांधी जी के पूरे जीवन को शुरुआत से अंत तक दिखाने का है। हमने अभी पहला सीजन ही खत्म किया है, दो और सीजन अभी शुरू भी नहीं हुए हैं। रही बात हंसल सर के साथ काम करने की, तो वह बहुत मजेदार अनुभव रहा। हम बिना कुछ बोले भी एक दूसरे को समझ लेते हैं। उनके साथ मैं खुद को अच्छे से एक्सप्लोर कर पाता हूं, चैलेंज कर पाता हूं। उनकी स्टोरी टेलिंग मुझे वैसे ही बहुत पसंद है, जो बहुत नेचुरल है। यह मेरे जीवन का अब तक का सबसे बड़ा और सबसे मजेदार एक्सपीरियंस था।

ज्योतिबा फुले के साथ उनकी पत्नी सावित्री बाई फुले हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर चलीं। इस मामले में आपकी पत्नी भामिनी का आपके जीवन में कितना योगदान रहा?

बहुत बड़ा योगदान है। इतने सालों से मैं जो इतनी अलग-अलग चीजें कर पाया, वह उसके योगदान और सहारे के बिना नहीं हो सकता था। कई बार इतनी सारी चीजें एक साथ करने में आप सिर्फ भाग ही रहे हैं। हम बहुत कुछ अचीव करना चाहते है, उसमें कहीं न कहीं घर पीछे छूट जाता है। हम उतना समय नहीं दे पाते हैं। ऐसे समय में अपने जीवन साथी से आपको सिर्फ यही अपेक्षा रहती है कि वे आपको समझे और साथ दे। यह बहुत स्वार्थी सोच भी हो सकती है, मगर भामिनी ने उस वक्त में हंसते हुए मेरा साथ दिया और इतना इतना धैर्य रखा, जो बहुत बड़ी बात है। वरना हम यहां तक नहीं पहुंच पाते।

महात्मा ज्योतिबा फुले जैसे महान समाज सुधारक को पर्दे पर जीना कितनी बड़ी जिम्मेदारी थी? उनके किरदार में ढलने के लिए क्या तैयारी रही?

हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी यह थी कि हमें इतिहास को बिना बदले एकदम ईमानदार तरीके से उनकी बात आप तक पहुंचानी थी, क्योंकि वह सिर्फ एक व्यक्तिव्य नहीं हैं। उन्हें समाज का एक पूरा वर्ग भगवान मानता है और सही कारणों से मानता है। हमारी कोशिश यह रही कि हम ना उन्हें किसी तरह से जज कर रहे हैं, न उन्हें अपने रंग में ढाल रहे हैं। हम सिर्फ उनकी बात आप तक पहुंचा रहे हैं। वहीं, बतौर ऐक्टर मेरी तैयारी का सबसे बड़ा पार्ट यह था कि मुझे उनके बारे में वे चीजें भी जाननी, समझनी थी, जो स्क्रिप्ट में नहीं लिखी थीं। मुझे उनके व्यक्तित्व को समझना था ताकि बिना कुछ बोले भी अगर स्क्रीन पर खड़ा हूं तो लोगों को लगे कि वे ज्योतिबा फुले को देख रहे हैं और यह सिर्फ बाहरी दिखावे, फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से या कपड़ों से नहीं संभव था। उस पर चुनौती ये थी कि उनको जानने-समझने के लिए हमारे पास न कोई विडियो थे, न उनके कोई ऑडियो थे। तस्वीरें भी जो हैं, वे सिर्फ पेंटिंग है। हमारे पास किताबों में लिखा मटीरिल ही था, जिससे राइटर-डायरेक्टर अनंत महादेवन ने पूरी स्क्रिप्ट तैयार की।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673